RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

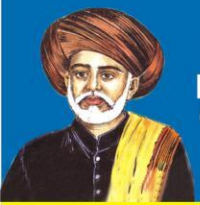

हिन्दी मासिक

माली सैनी सन्देश

जोधपुर

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

• वर्ष : 13 • • अंक 150 • • 30, दिसम्बर 2017 • • मूल्य : 20/- •

नागौर अमरपुरा संत श्री लिखमीदासजी महाराज स्मारक का प्रथम पाटोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

श्री करणाराम पंवार

हार्दिक श्रद्धाजंलि

भामाशाह, समाजसेवी
उत्कृष्ठ उद्यमी

श्री करणाराम पंवार

बालोतरा माली समाज के स्तंभ के आकस्मिक निधन पर माली सैनी संदेश परिवार हार्दिक श्रद्धाजंलि अर्पित करता है।

श्री वैदप्रकाश सैनी

महासचिव सैनी कॉपरेटिव सोसायटी को नई दिल्ली की सर्वश्रेष्ठ कॉपरेटिव सोसायटी के अवार्ड से सम्मानित होने पर पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं

समाज की युवा नैत्री

सुश्री सुमित्रा गहलोत

को राष्ट्रीय स्टार वुमन एचीवर अवार्ड मिलने पर पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं।

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831 Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

माली सैनी सन्देश

सम्पादक मण्डल ● वर्ष :13 ● अंक 150 ● 30, दिसंबर, 2017 ● मूल्य : 20/- प्रति ●

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम, जोधपुर)

सह संरक्षक:

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला - उपाध्यक्ष,भाजपा, जोधपुर)

प्रेस फोटोग्राफर
जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

मार्केटिंग इंचार्ज
रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

कम्प्यूटर
इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ सम्पादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

समाज की विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित होने वाले मुख्य आयोजन

13वां बोर्ड परीक्षा मार्गदर्शन शिविर 17
(दिनांक 26 से 31 दिसबंर, 17)

प्रतिभा सम्मान समारोह
(दिनांक 31 दिसबंर, 17)
आयोजक : महात्मा ज्योति बा फूले शिक्षण संस्थान, कोलीवाड़ा, सुमेरपुर

9वां जिला स्तरीय प्रतिभा एवं वरिष्ठ भामाशाह सम्मान समारोह
(दिनांक : 7 जनवरी, 17)
आयोजक : सैनी समाज विद्यार्थी उन्नत शिक्षण संसीान (माली यूथ), अलवर

प्रतिभा सम्मान समारोह
(दिनांक : 7 जनवरी, 2018)
आयोजक : सैनी (माली) स्वयं सेवी शिक्षण संस्थान, सवाई माधोपुर

श्रीमान ताराचंद सोलंकी स्मृति रक्तदान शिविर
(दिनांक : 5 जनवरी, 18)

2माली प्रिमियर लीग – 2018
(दिनांक 8 जनवरी, 2018 से)
आयोजक : भीखसिंह सोलंकी, मीरा वाटिका, सूरसागर, जोधपुर

चौहदवां वार्षिक उत्सव एवं शिक्षण जागृति सम्मेलन
(दिनांक 6 जनवरी, 2018)
आयोजक : राजस्थान माली समाज सेवा संस्थान ट्रस्ट, सूरत

18वीं कलश यात्रा एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन
(दिनांक 14 फरवरी, 18)
आयोजक : सैनी नवयुवक मण्डल संस्थान, लाड़पुरा, कोटा

समाज का इतिहास....

(समाज के सभी वर्गो के निवेदन पर माली समाज के इतिहास की संपूर्ण जानकारी – पार्ट 8)

माली जाति की उत्पति . .

इतिहासविद्
स्व. श्री सुखबीर सिंह गहलोत के ग्रंथ राजस्थान का माली सैनी समाज से साभार.....

मनीष गहलोत

राठौड़

राठौड़ के लिए रठिक, रिष्टिक, राठवर, राठउड़, राष्टिक और राष्ट्रकूट आदि शब्दों का प्रयोग प्रचीन ग्रंथों मं हुआ है। सम्राट् अशोक के गिरनार अभिलेख में 'रिष्टिक' शब्द मिलता है। अलटेकर इनकी उत्पत्ति संस्कृत शब्द 'राष्ट्रिक' से होना मानते हैं। राष्ट्रिक अशोक के समय (ई. पूर्व 273–236) में उत्तर–पश्चिमी भाग में छोटे–छोटे क्षेत्रों में सामन्तों के रूप में राज्य कर रहे थे।

राठौड़ लोग राम के पुत्र कुश के कुल में उत्पन्न सुमित्र, जो अयोध्या का अंतिम राजा था, के वंशज कहे जाते हैं। सुमित्र के दो वंशजों में कूर्म के वंशज कछवाहा कहलाये और दूसरे वंशज विश्वराज के वंशज राष्ट्रवर कहलाये। राठोड़ो के बहीभाटों के अनुसार इस राष्ट्रवर के नाम से इसके वंषज राष्ट्रवर या राठौड़ कहलाये। संस्कृत साहित्य में उनके लिए कही–कही राष्ट्रकूट या राष्ट्रकूटिया शब्द भी लिखे गये है। इनमें कमधज एक ख्यातिप्राप्त व्यक्ति हुआ। अतः राठौड़ कमधज भी कहलाए। अयोध्या से हटने के बाद इन राठौड़ों ने कन्नौज पर अपना अधिकार कर लिया।

सोलंकी त्रिलोचन पाल के वि.स. 1107 के ताम्रपत्र से ज्ञात होता है कि सोलंकियों के मूल पुरूष चालुक्य का विवाह कन्नौज के राष्ट्रकूट राजास की कन्या से हुआ। राठौड़ों के बड़आ (बहीभाट) के अनुसार अयोध्या छूटने के बाद राठौड़ों ने कन्नासैज पर अधिकार कर लिया था। कन्नौज छूटने के बाद राठौड़ उसी क्षेत्र में कन्नौज के आसपास रहे और पुनः अवसर मिलने पर चन्द्रदेव ने कन्नौज को अधिकार में कर लिया। चन्द्रदेव का राजयकाल वि.स. 1146 से 1160 तक माना जाता है। चन्द्रदेव के पुत्र मदनपाल (1160–1170) ने 'महाराजाधिराज परमेश्वर परम माहेश्वर' की पदवी धारण की थी, वह एक स्वतंत्र नरेन्द्र था। उसके वंशज गोविन्द्रचन्द्र (1170–1211), कुछ क्षेत्रों पर अधिकार कर लिया था अतः चौहान और गहडवालों में शत्रुता हो गई। इसी कारण जब मुहम्मद गौरी ने पृथ्वीराज पर हमला किया तब जयचन्द्र ने पृथ्वीराज का साथ नहीं दिया। पृथ्वीराज की पराजय के बाद वि.स. 1251 (ई. सन् 1194) में मुहम्मद ने कन्नौज पर आक्रमण किया। उस समय कुतबुदीन के नेतृत्व की सेना से लड़ता हुआ जयचन्द्र चन्द्रावर के युद्धस्थल में मारा गया। जयचन्द्र की मृत्यु के बाद गहड़वाल राज्य समाप्त हो गया। जयचन्द्र के पुत्र बरदाई सेन और उसके पुत्र सेतराम हुए। सेतराम का पुत्र सीहा कन्नौज क्षेत्र को छोड़कर मारवाड़ के पाली कस्बे में आ कर रहा। पाली के पास वि.सं. 1330 में मुसलमानों से लड़ता हुआ वह मारा गयां। सीहा के पुत्र आसथान नपे पहले खेड़ (जिला बाड़मेर) पर अधिकार कर लिया। उसके वंशज जोधा ने सन् 1459 में जोधपुर नगर बसाकर उसे अपनी राजधानी बनाई और तब से राठौड़ों का मारवाड़ सन् 1949 (जोधपुर राज्य) पर अधिकार तक रहा।

कन्नौज के गोविन्दचन्द्र के समय राठौड़ अपने को गाहड़वाल कहने लगे। ऐसा प्रतीत होता है कि कन्नौज का पुराना नाम गाधीपुर था। गोविन्दचन्द्र गाधीपुर निवासी होने के कारण गाहड़वाल भी कहलाया था। वास्तव में वह राठौड़ ही था। गाहड़वाल राठौड़ों की ही एक खांप मानी जा सकती है। राठौड़ सूर्यवंशी हैं। कन्नौज से आने के कारण ये कनवजिया राठौड़ भी कहलाते हैं।

तंवर

तंवर का मूल रूप तोमर है। इनका आदि पुरूष तोमरपाल था। उसका राज्य इन्द्रप्रस्थ, वर्तमान दिल्ली पर था। परम्परा के अनुसार अजयपाल ने इस क्षेत्र पर अपना शासन स्थापित किया था। उसका समय वि.सं. 848 के लगभग है। बाद में दिल्ली के तंवर चौहाना सें के सामन्त बन गये। अजयपाल द्वितीय के समय (वि.सं. 1207) बीसलदेव चौहान ने दिल्ली पर कब्जा कर लिया। इसके बाद दिल्ली के पक्ष में पहाड़राय तोमर गौरी के विरूद्ध लडा था। दिल्ली से तोमरों का राज्य समाप्त होने पर यह राजस्थान व मध्यप्रदेश में जा कर बस गये।

तंवरो के निम्नलिखत नख हैं – हाडी, खण्डेलवाल, तुधवाल, इन्दोरिया व कनवसिया।

क्रमश :.....

जींद में गरजे हरियाणा के शेर राजकुमार सैनी

जींद। महान समाज सुधारक महात्मा ज्योति बा फूले की पुण्यतिथि के अवसर पर हरियाणा के जींद की ऐतिहासिक धरती पर विशाल समानता रैली में जिस तरह से लाखों की भीड़ उमड़ी, उस जनसैलाब ने लोकतंत्र सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय सांसद राजकुमार सैनी को अपनी अलग पार्टी का समर्थन देकर उन्हें हरियाणा का सबसे कद्दावर नेता एवं गैर जाट का निर्विरोध बना दिया। सुबह 8 बजे से रैनी स्थल पर लोगों का हुजूम उमड़ने लगा था। लोग ढ़ोल- नगाड़ों, बैनरों, झण्डों के साथ झूमते हुए रैली स्थल की ओर जा रहे थे। दोपहर 12 बजे तक रैली स्थल पूरी तरह से भर चुका था। दूर दूर तक सिर्फ ओर सिर्फ जनसैलाब दिखाई दे रहा था।

सांसद राजकुमार सैनी ज्यों ही मंच पर पहुंचे, जन सैलाब का उत्साह चरम पर पहुंच गया था और लोगों ने विशाल कृतल ध्वनि के साथ उनका स्वागत किया। हरियाणा के कोने-कोने से आए लाखों प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए सांसद राजकुमार सैनी ने कहा कि आज के इस समानता रैली में पहुंचे लाखों लोगों ने उन तमाा शक्तियों को आईना दिखा दिया है जो पिछले एक महीने से इस रैली को असफल करने का प्रयास कर रहे थे। कही जसिया में जाट सम्मेलन किया जा रहा है तो कहीं भूपेन्द्र सिंह हुड्डा फतेहबाद में दलित पंचायत कर दलितों को रोकने का प्रयास कर रहे थे। कुछ और लोगों ने भी सभाएं और सम्मेलन में आज के दिन रखे हुए थे। प्रदेश के बहुत से रोड़ व हाइवे पर जाग लगाकर गुंडागर्दी और दादागिरी के बलबूते पर लोगों को रैली से रोकने का प्रयास किए गए लेकिन हरियाणा की जनता ने तमाम अवरोधों को पार करते हुए तमाम गुंडागर्दी व दादागिरी को जवाब देते हुए आज लाखों की तादाद में जो यहां ताकत दिखाई है, मैं उनको नतमस्तक होकर सलाम करता हूं। सांसद राजकुमार सैनी ने कहा कि 150 वर्ष पूर्व महात्मा ज्योति बा फूले ने एक सपना देखा थ और 70 वर्ष पूर्व बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने भी एक सपना देखा था और सपना था इस देश में फैली असमानता को खत्म कर समानता पर आधारित व्यवस्था का। लेकिन क्या इन 70 वर्षों की देश की आजादी में ओर क्या हरियाणा को बने इन 50 वर्षों में यह समानता का सपना पूरा हो पाया। हरियाणा में 590 वष्रो में असमानता एवं अन्याय की इतनी बड़ी खाई पेदा कर दी गई हे कि एक तरफ कुछ लोगों ने हरियाणा के रोजगार समेत सभी संसाधनों पर कब्जा कर लिया है, वहीं दूसरी तरफ हरियाणा की 90 प्रतिशत आबादी के हकों एवं अधिकारों को ना केवल लुटा गया बल्कि उसके सम्मान, उसके जीने के अधिकार भी छीनने की कोशश की जा रही है। सांसद राजकुमार सैनी ने कहा कि आज प्रदंश में लोकतंत्र खतरे में है। प्रदेश के लोगों के सारे रोजगार छीनने के बाद आरक्षण के नाम पूरे प्रदेश को जिस तरह से जलाया गया, लूटा गया, गुंडागर्दी व दादागिरी के बलबूते पूरे प्रदेश को बंधक बनाया गया और एक वर्ग विशेष के लोग जिस तरह से बाकी लोगों का शोषण कर रहे है और उनको अपना गुलाम समझते है, उसके खिलाफ यह दूसरी आजादी की लड़ाई है। यह लड़ाई आपके सम्मान की लड़ाई है, आपके हक की लड़ाई है आपके अधिकार की लड़ाई है, आपके अस्तित्व की लड़ाई है।

सांसद राजकुमार सैनी ने उपस्थित जनसैलाब से पूछा कि क्या हमें अपनी अलग पार्टी बनाकर अब आगे की लड़ाई लड़नी चाहिए। जिसके जवाब में लाखों लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ हाथ खड़ा कर नई पार्टी बनाने का जबरदस्त समर्थन किया। सांसद राजकुमार सैनी ने कहा कि आज में एक 31 सदस्यीय कमेटी का गठन करता हूं जो नई पार्टी की रूपदेखा और गठन का काम करेगी।

मैं आप लोगों के लिए मर-मर कर जी रहा हूं : राजकुमार सैनी

रैली में लाखों लोगों की भीड़ को देख गदगद हुए सैनी ने अपने भाषण में इन शब्दों से शुरू किया 'मेरे को आधा घंट दे देना साथियों में आपके लिए मर-मर कर जी रहा हूं।' रैली में वक्ताओं ने सांसद राजकुमार सैनी को भावी मुख्यमंत्री के रूप में पेश किया। वहीं रैली को लेकर पुलिस प्रशासन की सांसे अटकी रही। इतना ही नहीं रैली पर ड्रोन कैमरों से नजर रखी जा रही थी।

विकास एवं समानता के लिए पांच सूत्रीय फार्मूला किया पेश

जींद की समानता महा सम्मेलन को संबोधित करते हुए सांसद राजकुमार सैनी ने कहा कि इस देश एवं प्रदेश में व्याप्त भारी असमानता को खत्म करने एवं देश को तरक्की, खुशहाली एवं समानता की व्यवस्था स्थापित करने के लिए मैं आपके सामने पांच सूत्रीय फार्मूला रख रहा हूं।

1. इस देश में आरक्षण का झगड़ा हमेशा के लिए खत्मा हो एवं कोई किसी का भी हक नहीं छिन सके, इसके लिए सभी जातियों को उसका हक देने के लिए जनसंख्या के अनुपात में 100 प्रतिशत आरक्षण देना होगा। फिर मुख्यमंत्री किसी भी जाति का बने लेकिन वो किसी का हक नही छिन पायेगा।
2. एक एक परिवार में 10-10 सरकारी नौकरी एवं हजार हजार परिवार में एक चपरासी नहीं, ऐसी असमानतापूर्ण व्यवस्था को खतम करने के लिए एक परिवार एक रोजगार की व्यवस्था करनी पड़ेगी। इस व्यवस्था से हर घर मे सरकारी नौकरी होगी
3. इस देश की 50 प्रतिशत आबादी किसान एवं मजदूर की भलाई के लिए मनरेगा को किसान से जोड़ना होगा। मनरेगा के मजदूर को हम अगर किसान से जोड़ देगें तो किसान को 250 रूपसे से सस्ता मजदूर एवं मजदूर को 500 रूपए में अच्छे दाम पर पूरे वर्ष वर्ष रोजगार मिलेगा। इससे किसान और मजदूर दोनों खुशहाल होगें और ये दोनों खुशहाल हुए तो बाकी देश भी खुशहाल हो जाएगा।
4. किसी भी देश की तरक्की के लिए जनसंख्या नियंत्रण बहुत जरूरी हैं। अगर हम हस पर काबू नहीं रख पाए तो सारी विकास योजनाएं बेमानी हो जाएंगी। इसलिए हमें हम दो, हमारे दो की नीति अपनानी पड़ेगी।
5. अगर हमने इस देश में सही अर्थों में लोकतंत्र की स्थापना करनी है तो देश से राज्यसभा को खत्म करना होगा। आज देश के शासन की 70 प्रतिशत बागड़ोर राज्य सभा के हाथों में है। जनता द्वारा हारे एवं नकारे लोगों की ऐशगाह बनी राज्यसभा को खत्म करने पर ही जनता के चुने हुए जनप्रतिनिधियों के हाथों में इस देश का शासन होगा एवं लोकतंत्र की स्थापना होगी।

कई सांसद और पूर्व विधायक रैली में हुए शामिल :

सांसद राजकुमार सैनी की जींद रैली में उनको उनके द्वारा लड़ी जा रही समानता की लड़ाई को समर्थन देने के लिए अनेक नेता पहुंचे। केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा, पूर्व विधायक बनारसी दास, पूर्व डीजीपी पृथ्वीराज ने राजकुमार सैनी के मंच से खुला समर्थन देने का ऐलान किया। रैली का मंच संचालन मंच के युवा राष्ट्रीय रमेश राव पायलट ने किया व मंच के राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र स्वामी ने उनका सहयोग किया इस अवसर पर पूर्व विधाक भरत सिंह छौकर, मंच के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सतीश यादव, डॉ अशोक दीक्षित, श्रीपाल सैनी, रामराजी शर्मा, गजानन सोनी, दरबारी लाल चौहान, रामपाल राठी, हरिशमशेर कौशिक, मंजीत पांचाल, हनुमान वर्मा, अमन तंवर, शकुंतला वर्मा, जीतेन्द्र चंदेलिया, धर्मबीर डाबला, लालचंद जोशी, मधुसुदन यादव, तेजवीर सेनी, ओमबीर गर्जुर डवोकेट, बलराज बैंसला, शेरसिंह जागड़ा, प्रीत पाल जिंदल, देशराज मनचंदा समेत लोकतंत्र सुरक्षा मंच के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्री सैनी मिस इंडिया यूएसए बनीं

अमेरिका के वाशिंगटन राज्य की श्री सैनी ने मिस इंडिया यूएसए 2017 का खिताब अपने नाम किया हे। वाशिंगटन विश्वविद्यालय की 21 वर्षीय छात्रा ने बताया कि वह सेवा के क्षेत्र में काम करना चाहती हैं। मिस इंडिया यूएसए 2017 सौंदर्य प्रतियोगिता में कनेक्टि कटकी रहने वाली मेडिकल की छात्रा 22 वर्षीय प्राची सिंह उप - विजेता घोषित की गई जबकि नार्थ कैरोलिना की फरीना तीसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता में फ्लोरिडा की कैंसर सर्जन कविता मलहोत्रा पट्टानी को मिसेज इंडिया यूएसए 2017 घोषित किया गया। इस श्रेणी में प्रेरणा दूसरे स्थान पर जबकि ईश्वर्या तीसरे स्थान पर रही। मिस टीन इंडिया यूएसए 2017 का खिताब न्यूजर्सी की 17 वर्षीय सपना मत्राम ने जीता। इसमें सिमरन उप विजेता रहीं जबकि कृतिका तीसरे स्थान पर रहीं। दो दर्जन से अधिक राज्यों की 50 से अधिक प्रतिभागियों ने मिस इंडिया यूएसए और मिसेज इंडिया यूएसए प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

मानव तस्करी को समाप्त करना चाहती हैं श्री : श्री सैनी जब 12 वर्ष की थीं तब उन्हें पेसमेकर लगाया गया था। उन्होंने कहा गया था कि वह कभी नृत्य नहीं कर सकेंगी। अब वह सभी के लिए एक प्रेरणा बन गई। हाईस्कूल में श्री दमनकारी बर्ताव के खिलाफ अभियान चलाती हैं।

देवड़ावास सहित चार स्थान कृषि पर्यटन केंद के रूप में होंगे विकसित, ज्योतिबा फुले छात्रवास के शिलान्यास समारोह में कृषि मंत्री ने दी जानकारी

छात्रावास में निर्माण को आगे आए भामाशाह – डॉ. सैनी

पीपलू। माली समाज के महात्मा ज्योतिबा फूले छात्रवास शिलान्यास एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में कृषि मंत्री डॉ. प्रभुलाल सैनी नेकहा कि सरकार किसानों की आमदानी बढ़े के लिए तरह तरह के नवाचार कर रही थी। किसान को पारंगत खेती की बजाय यहर मौसम में उत्पादित होने वाली नवाचार की खेती पर ध्यान देना ही होगा। इससे किसान की माली हालत सुदृढ़ बनेगी। सरकार दुनिया का सुदरतम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस माउट आबू सहित टोंक जिले के देवड़ावास, कोटा, बस्सी में बनाने जा रही। इसे एग्रो टूरिज्म के रूप में विकसित करने का कार्य किया सरकार द्वारा किया जा रहा हैं। एग्रो टूरिज्म केन्द्र बनया हुआ। इसे विकसित करने का कार्य किया सरकार द्वारा किया जा रहा हैं इसके लिए मुख्यमंत्री ने मंजूरी दे दी। इसमे देश विदेश के सैलानी कृषि की नवीनतम तकनीक एवं उपब्धियों के बारे में जान सकेंगे। उन्होंने कहा कि नवाचार और सुगम खेती के बारे में अनुसंधान से किसानों की आय को बढ़ावा जा सकता है। मैंने इस बारे में सभी विश्वविद्यालयों को पत्र लिखे हे, जल्द ही इस दिशा मे पहल होने के उम्मीद है। राज्य में कृषि में नवाचार बढ़ाने से कृष्णि क्षेत्र में राज्य का नाम देश दुनिया में हो रहा हैं। इस सरकार में अरब तक 3707 करोड़ रूपए फसल बीमा योजना के रूप में किसानों के खाते में आ चुके हैं। एक कंपनी ने 270 करोड़ रूपए का भुगतान अटकाया उसे ब्लैकलिस्टेड किया जा रहा है। डॉ. सैनी ने कहा कि एग्रीकल्चर के मामले में राजस्थान का नाम अब देश और दुनिया में होने लगा है। राजस्थान जैतून के पौधों का निर्यातक भी बन चुका है।

राजस्थान में उपजी ड्मास्टिक की खाड़ी देशों में मांग होने लगी हे। उन्होंने कहा कि कृषि में नयाचार बढ़ाने को लेकर राज्य में कृषि उत्कृष्टता केंद्र बनाए जा रहे हैं। जहां किसानों को कृषि में नवाचार तथा कम लागत में अधिक मुनाफा कैसे लिया जा सकेगा की जानकारी मिलेगी। उन्होंने कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुसार कृषि में नवचारों से किसानों की आय 2022 तक दोगुनी हो जाएगी।

राजस्थान देश में जैतून की खेती करने वाला एवं जैतून की प्रोसेस्ड ऑलिव टी बनाने वाला विश्व का पहला राज्य बन गया है। जेतून राज्य की परंपरागत फसल नहीं होने के बावजूद भी इसका उत्पादन और प्रसस्करण राजस्थान सफलतापूर्वक होने लगा हे। जैतून की खेती की शुरूआत इस सरकार के गत कार्यकाल में हुई, जब मुख्यंमत्री राजे के नैतृत्व में कृषि विशेषज्ञों का एक दल इजरावल गया था। वहां से लौटने के बाद मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने प्रदेश में जैतून की खेती करने का निर्णय लिया।

151 प्रतिभाओं का सम्मान

समारोह में 151 प्रतिभाओं का सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम के दौरान ढ़ोल नगड़े, अलगोजा के कार्यक्रम भी हुए। कार्यक्रम का प्रतिवेदन रमकस्याण माली ने पेश यिका। वहीं कार्यक्रम का संचालन कमल कुमार सैनी, रंजु भाटी, शंकरलाल सैनी ने किया।

पीपलू में माली सैनी समाज, ग्राम पंचायत, भाजपाई सहित सभी समाजों की ओर से कृषि मंत्री डॉ. प्रभुलाल सैनी एवं राज्य युवा बोर्ड अध्यक्ष भूपेंद्र सैनी के स्वागत में पलक पानड़े बिछाए 2 किमी लंबे जुलूस के रूप खुली जीप में ढोल नगड़ो के साव कार्यक्रम स्थल तक लाया गया। इस बीच जगह जगह पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किए गया। जुलूस मे काच्छी घोड़ी नृत्य व ढोल अलगोजा आकर्षण का केन्द्र रहे। समाज की महिलाओं ने जुलूस व समारोह मे उमंग पूर्वक हिस्सा लिया। जुलूस में विरक विरक नृत्य करती हुई चली। कार्यक्रम के दौरान एक नन्हा बालक व नन्ही बालिका मंच पर पहुंचकर झिझकते हुए अतिधियों के फोटो ले रहे थे। इस पर कृषि मंत्री एवं युवा बोर्ड अध्यक्ष ने उन पास बुलाकर उनके साथ सेल्फी ली।

चार सड़कों की स्वीकृति दिलवाने का भरोसा

मंच पर आकर घोषणाओं की होड़ लग गई। कृषि मंत्री डॉ. प्रभुलास सैनी ने पीपर उपखंड क्षेत्र की प्रमुख मांग के रूप मे रानोली से विस्यालु ढुंढिया से देवाली, अलीमपुरा से वेरखंडी कला सड़क की स्वीकृति जल्द ही विलवाने की घोषणा की। कस्बे के बीच से जुलूस निकाले जानेपर कहा कि पीपलू मे एक ऐसा किसान मार्ग बनाया जाएगा, जिसमें 20 साल तक भी गड्ढे नही होंगे। इससे पूर्व विधायक हीरालाल रेंगर ने छात्रवास की चारदीवारी व ज्योतिबा फूले मुर्ति को लेकर 5 लाख रूपए की घोषणा की। इस कृषि मंत्री के कहने पर विधायक ने घोषणा 6 लाख रूपए की कर दी। इसके बाद कृषि मंत्री के कहने पर विधायक समाज को 6 लाख दिए है तो वह उनके विधानसभा क्षेत्र को 10 गुना देकर जाएंगे और सैनी ने चर सड़कों का स्वीकृति दिलवाने तथा किसान पथ बनाएं जाने की घोषणा की। इसके बाद विधायक ने भी कहा कि वह भी 6 नहीं 10 लाख रूपए देंगे तो मंत्री ने कहा कि छात्रवास मे 10 लाख रूपए तथा एक कमरे का निर्माण वह भी करवाएंगे।

अमरपुरा में भामाशाहों का सम्मान, 406 यूनिट रक्तदान
पांच दिवसीय धार्मिक आयोजनों के साथ महोत्सव का हुआ समापन

शिक्षा से समाज व परिवार का नाम रोशन – राजेन्द्र गहलोत

नागौर। संत शिरोमणि लिखमीदास महाराज की जयकारों के साथ मंगलवार को स्मारक स्थल पर ध्वजारोहण के साथ अमरपुरा धाम में पांच दिवसीय धार्मिक, शैक्षिक व सामाजिक सेवा कार्यक्रम संपन्न हुए। संत शिरोमणि श्री लिखमीदास महाराज स्मारक विकास संस्थान अमरपुरा के तत्वावधान में सम्पन्न इस कार्यक्रम के अंतिम चरण में भामाशाहों व बोलीदाताओं का अभिनंदन किया गया। संत नृसिंहदास महाराज व संत रामरतन महाराज के सान्निध्य में संपन्न इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान अध्यक्ष राजेन्द्र गहलोत द्वारा की गई।

माली महासभा के प्रदेश चेयरमेन आंकाराम कच्छवाह ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमारे महापुरूष हमें धार्मिक चेतना के माध्यम से सामाजिक रूप से जोड़ते है। संस्थान के अध्यक्ष राजेन्द्र गहलोत ने संस्थान के माध्यम से शैक्षणिक प्रोत्साहन व सामाजिक सुधार चेतना की गतिविधियों में अभिवृद्वि करने का आवश्वासन दिया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष मोतीबाबा फूले, सचिव राधाकिशन तंवर, कोषाध्यक्ष कमल भाटी, भगवानाराम सुन्देशा, युवा वाहिनी के प्रदेश संयोजक दीपक भाटी, यश सोलंकी, वशवन्त गहलोत, मनोहर सांखला, पारसमल परिहार, धमेंद्र सोलंकी सहित अनेक कार्यकर्ता व पदाधिकारियों द्वारा सहयोग दिया गया। वहीं कार्यक्रम के अन्त में जोधपुर के मनीष परिहार ने बोली लगाकर मन्दिर पर ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर नागौर विधायक हबीबुर्रहमान ने भी पहुंचकर श्रद्वालुओं का उत्साह वर्धन किया।

4 ब्लड बैंक पहुंची टीमें : इससे पहले चार ब्लड बैंक की टीमों द्वारा 406 यूनिट रक्त संग्रहण किया गया। जिसमें ए.ऐम. एकेडमी द्वारा भी सहयोग किया गया। इस मौके पर धनराज सोलंकी, पंचायत समिति सदस्य फूलचंद टाक, डॉ शंकरलाल जाखड़, धीरज, रामकुंवार गहलोत, हुलास टाक, मांगीलाल गहलोत, पुखराज, राधेश्याम टाक, वजंरग भी उपस्थित थे। इस दौरान रामप्रसाद महाराज, गिरीजी, नृसिंहदास, कुशालगिरी, हरिराम, राजराम महाराज, अमृताराम महाराज, रामरतन महाराज, चेतनगिरी महाराज, कृपाराम मोहनलाल महाराज, लुणाराम, सभापति कृपाराम सोलंकी, कृपराम देवड़ा, कृपाराम गहलोत, पारसमल परिहार सहित बड़ी संख्या में श्रद्वालु उपस्थित रहे। महिलाओं ने भी रक्तदान शिविर में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। रक्तदान शिविर के सफल आयोजन में जोधपुर से रक्तदान शिविर के अनेकों आयोजन कर चुके युवा यश सोलंकी का विशेष सहयोग रहा। दिन रात चले रक्तदान शिविर में यश सोलंकी व उनकी टीम ने सराहनीय प्रयास किया।

प्रतिभा सम्मान समारोह में किया 260 प्रतिभाओं का सम्मान, जिनमें 169 बालिकाएं : संत लिखमीदास महाराज स्मारक विकास संस्थान के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत ने कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर परिश्रम करने पर सफलता आवश्य मिलती है। प्रतिभाओं का सम्मान इसलिए किया जाता है, ताकि उनका उत्साहवर्धन हो सके। वे रविवार को निकटवर्ती अमरपुरा गांव में संस्थान के तत्वावधान में आयोजित देव मंदिर पाटोत्सव के तहत प्रतिभा सम्मान समारोह को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित क रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बिना समाज प्रगति नहीं कर सकता। उन्होंने विद्यार्थियों से आव्हान किया कि मन लगाकर पढ़ाई करें, ताकि नाम रोशन कर सकें। परिवार के लोगों को चाहिए कि घर के वातावरण को शिक्षा व संस्कारवान बनाए। गांवों में छुपी प्रतिभाओं को अपना हुनर दिखाने के लिए महानगरों भेजें।

नगर परिषद सभापति कृपाराम सोलंकी ने कहा कि माली समाज में प्रतिभाएं जिस तरह से आगे बढ़ रही है, यह हमारे लिए गर्व की बात है। डॉ. शंकरलाल परिहार ने कहा कि इस प्रकार का कार्यक्रम आगे भी होता रहेगा। कर्मचारी विकास संस्थान के अध्यक्ष कृपाराम गहलोत, सागरमल सैनी, आर.ए. एस. रामजीत भाटी, रामरतन ने भी विचार व्यक्त किए। मंच संचालन बजरंग सांखला ने किया। समारोह मे मुंशी भंवरलाल चेरिटेबल ट्रस्ट, चेनार की ओर से स्मृति चिह्न व प्रशास्त्रि पत्र प्रदान किए

गए। रात को सुदंरकाण्ड पाठ में बड़ी संख्या में समाज बंधुओ ने भाग लिया।

यह रहे मौजूद : कार्यक्रम में बहादुरसिंह भाटी, माली समाज तीन गांव न्यात के कार्यक्रम में 260 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं 160 बालिकाएं थी। सम्मानित होने वालें राजकीय सेवा में चयनित मोनिका भाटी, ज्योति परिहार, रेखा कच्छअवा, शोभा सांखला सहित अन्य प्रतिभागी, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की गोल्ड मेडलिस्ट ज्योत्सन भाटी, व्याख्याता पद पर चयन्ति मिलापचंद, बीडीओ डॉ. रामजीत भाटी सहित रनातकोत्तर, रनातक, दसवी, बारवीं, व्यवसायिक व तकनीकी, राष्ट्रीय स्तर पर सापटबाल व अन्य खेलों में समाज का नाम रोशन करने वाले खिलाडियो को सम्मानित किया गया। अतिथियों ने मंदिर की शिखा पर ध्वजारोहण किया। मंदिर परिसर लिखमीदास महाराज के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में सभापति कृपाराम सोलंकी, नागौर विधायक हबीबुरहमान, कृपाराम देवड़ा, कृपाराम गहलोत, धर्मेन्द्र सोलंकी मुरलीमनोहर सोलंकी, पारसमल परिहार, राधाकिशन तंवर सहित समाज के कई लोग मौजूद थे।

लिखमीदास मंदिर निर्माण की वर्षगांठ पर सूरसागर में निकली ध्वजा शोभायात्रा

जोधपुर। नागौर जिले के अमरपुरा कस्बे में संत लिखमीदास महाराज के मंदिर निर्माण की पहली वर्षगांठ पर रविवार को सूरसागर इलाके में ध्वजा शोभायात्रा निकाली गई। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्वालुओं ने जय श्रीराम, वंदेमातरम और संत लिखमीदास महाराज के जयकारे लगाए। उत्साही युवाओं ने अपने हाथों में भगवा एवं तिरंगे झंडे भी थाम रखे थे। इस दौरान पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात रहा।

बड़ारामद्वारा के महंत रामप्रसाद महाराज के सात्रिध्य में सूरसागर इलाके में सिंधियों की गली से निकली ध्वजा शोभायात्रा में संत मनोहरदास महाराज एक खुली जीप में बैठे थे। वहीं डीजे पर बजते धार्मिक गीतों के साथ युवा एवं क्षेत्र के लोगों का हुजूम चल रहा था। श्रद्वालुओं की भीड़ के पीछे लोक देवता बाबा रामदेव का रथ साथ चल रहा था। सिंधियों की गली से ध्वजा शोभायात्रा रवाना होकर सूरसागर के विभित्र इलाकों से होते हुए कालूरामजी की बावड़ी पहुंची। यहां धार्मिक अनुष्ठान संपत्र होने के बाद यात्रा पुन: लौटी। इससे पूर्व रथ की संतों ने पूजा अर्चना की। कार्यक्रम में सूरसागर माली समाज के अध्यक्ष किशोरसिंह सांखला, रणवीरसिंह परिहार, राजेश गहलोत, अशोक भाटी, रामनारायण कच्छवाह, रामसिंह परिहार, मनीष परिहार, भाजयुमो के जिलाध्यक्ष महेंद्र तंवर के अलावा क्षेत्र के लोगों व महिलाओं की भागीदारी रही।

मंदिर की प्राचीर पर होगा ध्वजारोहण : अमरपुरा स्थित संत लिखमीदास महाराज के मंदिर पर ध्वजा चढ़ाने के लिए 4 दिसंबर, सोमवार को दोपहर एक बजे समाज के लोग अमरपुरा के लिए रवाना होंगे। पांच दिसंबर को सुबह 11 बजे मंदिर के शिखर पर ध्वजा विधि विधान से चढ़ाई जाएगी।

पुलिस बल की मौजूदगी में शोभायात्रा : सूरसागर इलाके में दो दिन पहले उपजे तनाव और इसके तीसरे दिन संतो के सात्रिध्य में शोभायात्रा को देखते हुए यहां भारी पुलिस बल तैनात रहा। इस दौरान एडीसीपी (ईस्ट) विपिन शर्मा के निर्देशन में प्रताप नगर थानाधिकारी अचलसिंह, सूरसागर थानाधिकारी मुक्ता पारीक के साथ बड़ी संख्या में पुलिस व आरएसी का जाब्ता शोभायात्रा के साथ रहा। इसके साथ ही संवेदनशील इलाके में पुलिस की लगातार गश्त देर रात तक जारी रही। इसके चलते किसी भी तरह की कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

समाज गौरव अशोक गहलोत ने गुजरात चुनावों में दिखाए अपना जलवा....

अशोक गहलोत ने गुजरात में कांग्रेस को संजीवनी दी

जब पार्टी हाई कमान ने अशोक गहलोत को गुजरात का प्रभार देकर भेजा तो राजस्थान में पार्टी के अंदर और बाहर उनके विरोधियो के चेहरों पर एक सियासी मुस्कान उतर आई। यह उनके समर्थकों के लिए मायूस करने वाली खबर थी क्योंकि इसे राजस्थान की सियासत से गहलोत को दूर करने के संदेश के रूप में पढ़ा गया। मगर गुजरात के चुनाव अभियान ने उन्हें फिर मजबूत भूमिका में ला दिया। वो इस कदर चुनाव अभियान में जुटे कि दिवाली पर भी अपने घर नहीं लौटे। वो ना तो किसी प्रभावशाली जाति से हैं, ना ही किसी प्रभावशाली जाति से उनका नाता है, वो दून स्कूल में नहीं पढ़े। वो कोई कुशल वक्ता भी नहीं हैं। वो सीधा-सादा खादी का लिबास पहनते हैं और रेल से सफर करना पसंद करते हैं।

विरोधियों के लिए हैं औसत दर्जे के नेता-

साल 1982 में जब वो दिल्ली में राज्य मंत्री पद की शपथ लेने तिपहिया ओटो रिक्शा में सवार होकर राष्ट्रपति भवन पहुंचे तो सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक लिया था। मगर तब किसी ने सोचा नहीं था कि जोधपुर से पहली बार सांसद चुन कर आया ये शख्स सियासत का इतना लम्बा सफर तय करेगा। उनके साथ काम कर चुके पार्टी के एक नेता ने कहा कि गहलोत कार्यकर्ताओं के नेता हैं और नेताओं में कार्यकर्ता। उनकी सादगी, विनम्रता, दीन दुखियारों की रहनुमाई और पार्टी के प्रति वफादारी ही उनकी पूंजी है। मगर विरोधियों की नजर में वो एक औसत दर्जे के नेता हैं जो सियासी पैंतरेबाजी में माहिर हैं। कांग्रेस में उनके विरोधी तंज के साथ कहते हैं, गहलोत हर चीज में मैसेज देने की राजनीति करते हैं। इसी मैसेज के चक्कर में दो बार कांग्रेस को विधानसभा चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा।

चिट्ठियां लिखने से की शुरुआत-

गहलोत कांग्रेस में उन थोड़े से नेताओं में शुमार हैं जिन्हें (पार्टी संगठन) का व्यक्ति कहा जाता है और जो अपने सामाजिक सेवा कार्य के जरिए इस ऊँचाई तक पहुंचे हैं। गहलोत ने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत जोधपुर के अस्पतालों में भर्ती मरीजों को संभालने से की थी। वो दूर दराज के गावों से आकर भर्ती हुए मरीजों से मिलकर उनके गांव-परिजनों को कुशलता की चिट्ठियां लिखते थे। फिर वो जोधपुर में तरुण शांति सेना से जुड़े और शराब की दुकानों के विरोध आंदोलन में खड़े मिले। गहलोत पर कांग्रेस नेतृत्व की नजर तब पड़ी जब वो 1971 में पूर्वी बंगाल के शरणार्थी शिविरों में काम करते दिखे। इसके बाद राज्य में पार्टी के छात्र संघठन के अध्यक्ष नियुक्त हुए और फिर संगठन में आगे बढ़ते गए।

गांधी को मानते हैं प्रेरणा का स्रोत-

जब वो बहुत कम उम्र में राज्य कांग्रेस के अध्यक्ष नामजद किए गए तो उन्होंने जातिवाद के खिलाफ मुहिम छेड़ी और लोग उन्हें अशोक भाई के नाम से पुकारने लगे। लेकिन बाद में अशोक भाई फिर से अशोक गहलोत हो गए। किसी ने पूछा तो बोले कुछ लोगों ने टिप्पणी की कि वो यह सब मुख्यमंत्री बनने के लिए कर रहे हैं तो उन्हें यह बुरा लगा। गहलोत गाँधी, मार्टिन लूथर

किंग और कबीर से प्रेरित हैं। जब वो पहली दफा मुख्यमंत्री बने तो राज्य सचिवालय में गाँधी की बड़ी प्रतिमा लगवाई। उनके दफ्तर में प्राय: गाँधी, मार्टिन लूथर किंग और गाँधी परिवार के नेताओं की तस्वीरें मिलती थीं।

गुर्जर आंदोलन-

साल 2010 में जब गुर्जर नेता आंदोलन पर उतरे तो किरोड़ी सिंह बैंसला के नेतृत्व में गुर्जर नेताओं को बातचीत के लिए बुलाया गया। बातचीत के बाद गहलोत इन नेताओं को गाँधी और मार्टिन लूथर किंग की तस्वीरों तक ले गए और बोले, इन दो नेताओ ने अपना जीवन शांति और सद्भाव को समर्पित कर दिया। आप कुछ भी करें तो इन दोनों का जरूर ध्यान रखें। वो प्राय: सूत की माला पहनना पसंद करते हैं और हर साल लोगों को गाँधी डायरी भेंट करना नहीं भूलते।

गुजरात से गहलोत का नाता-

गुजरात से गहलोत का पुराना रिश्ता रहा है। जब 2001 में गुजरात में भूकंप आया, उस वक्त शायद राजस्थान पहला राज्य होगा जो मदद के लिए सबसे पहले पहुंचा। उस वक्त गहलोत मुख्यमंत्री थे। उन्होंने तुरंत टीम गठित करवाई और अपने अधिकारियों को राहत सामग्री के साथ गुजरात भेजा। गुजरात दंगों के बाद राजस्थान में पीड़ितों के लिए राहत कैंप खोले। कांग्रेस ने 2005 में जब दांडी मार्च की हीरक जयंती मनाई और साबरमती से दांडी तक 400 किलोमीटर की यात्रा निकाली तो गहलोत को समन्वयक बना कर भेजा गया। राहुल गाँधी इस यात्रा में बोरसाद से शामिल हुए और कुछ किलोमीटर तक साथ चले।

भाई-भतीजावाद के आरोप-

फूंक-फूंक कर कदम रखनेवाले गहलोत सियासत और राजकाज में नाते रिश्तेदारों और परिजनों को दूर रखते रहे हैं। लेकिन उनके पिछले कार्यकाल में पुत्र को आगे बढ़ाने और कुछ रिश्तेदारों को संरक्षण देने के आरोप लगे। वो इन आरोपों को विपक्ष की चाल बताते रहे हैं। उनके समर्थक याद दिलाते हैं कैसे उन्होंने अपनी बेटी सोनिया का विवाह अत्यंत सादगी से किया था और बारात को छोड़ने रेलवे स्टेशन गए तो एक-एक मेहमान की गिनती कर प्लेटफार्म टिकट खरीदे थे। उनके पिता स्वर्गीय लक्ष्मण सिंह जादूगर थे। गहलोत को भी जादू की कला विरासत में मिली है। वे जादू के करतब दिखाते भी रहे हैं। 2008 के विधानसभा चुनाव में एक प्रेस कान्फ्रेंस में किसी ने याद दिलाया क्या वे अपने जादू का मुजाहिरा भी करेंगे। वो पलट कर बोले 'मेरा जादू तो जब परिणाम आए तब देखना।'

चंद्रास्वामी का विरोध किया-

एक वक्त जब कांग्रेस की राजनीति में चंद्रास्वामी प्रभावी बन कर उभरे, गहलोत ने उनका जमकर विरोध किया। यहाँ तक कि पहले से स्वीकृत एक कार्यक्रम में यह कह कर जाने से इंकार कर दिया क्योंकि उसमें चंद्रास्वामी भी आमंत्रित थे। चंद्रास्वामी को उस वक्त के प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के निकट समझा जाता था। इसके कुछ वक्त बाद ही गहलोत का केंद्रीय मंत्री पद चला गया था।

राजनीतिक समझ-

वो गाहे-बगाहे परिजनों के साथ मंदिरों की फेरी लगाते रहे हैं, मगर ज्योतिष और भविष्यवक्ताओ से दूर रहते हैं। उनके साथ काम कर चुके एक नेता बताते हैं, यूँ वे बहुत सीधे-सादे दिखते हैं, लेकिन 2003 में प्रवीण तोगड़िया को उस वक्त गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जब उत्तर भारत की सरकारें उन पर हाथ डालने से बचती थीं। ऐसे ही आशाराम बापू के मामले में पुलिस को सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया और यही कारण है कि आशाराम बापू अब तक जेल में है। कांग्रेस में उनसे असहमत एक नेता कहते हैं, गहलोत की राजनीतिक समझ का कोई मुकाबला नहीं है, वो भविष्य का अनुमान लगाने की समझ रखते हैं। पर वो जब सत्ता में आते हैं तो शक्ति का केन्द्रीयकरण कर लेते हैं।

बीबीसी रेडियो सुनते हैं-

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके गहलोत टीवी की चमक-धमक से दूर रहना पसंद करते हैं। वो रेडियो के आशिक हैं। बीबीसी सुनते रहे हैं। इसीलिए एक बार जब उनकी पसंद का ट्रांजिस्टर कहीं खो गया तो बहुत परेशान हुए। वो अपना राजनैतिक बयान खुद लिखते हैं और एक-एक शब्द पर गौर करते हैं। बीजेपी के एक पूर्व मंत्री कहते है, गहलोत के बयान बहुत मारक होते हैं। गहलोत उस वक्त पहली बार राजस्थान के मुख्यमंत्री बने जब सूबे की सियासत में स्वर्गीय भैरों सिंह शेखावत का जलवा था। विपक्ष में रहते गहलोत स्वर्गीय शेखावत के प्रति बहुत आक्रामक थे। लेकिन मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही वो सबसे पहले उनसे मिलने पहुंचे और उनका आशीर्वाद लिया। जब शेखावत बीमार हुए तब गहलोत उन लोगों में से थे जो लगातार उनकी देखरेख करने जाते रहे।

गहलोत और कांग्रेस

गहलोत को मुफ्त दवा योजना और अकाल राहत के बेहतर प्रबंधन के लिए याद किया जाता है। साल 2003 में विधानसभा के चुनाव हुए तो गहलोत अपनी वापसी के लिए जोर लगा रहे थे। उस वक्त नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। मोदी ने चुनाव अभियान में भीलवाड़ा की एक सभा में गहलोत और उनकी कांग्रेस सरकार पर जम कर प्रहार किए। मोदी ने गहलोत के बोलने की शैली की खिल्ली उड़ाई, कहा, मुख्यमंत्री क्या बोलते हैं, समझना मुश्किल है। अब गहलोत बीते छह महीने से गुजरात में थे।

चुनाव के नतीजों ने ही बता दिया कि इस बार अशोक गहलोत अपने बोल से गुजरात की जनता को कितना कुछ समझाया है। उन्होंने एक तरफ सोशियल मिडिया पर सक्रिय रहते हुए सभी वर्गों को कांग्रेस के राज में उनके द्वारा समाज के सभी वर्गों को दी गई विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी। इसके अलावा अपने प्रदेश के विभिन्न जिलों कस्बों के पदाधिकारियों को गुजरात के कौने कौने में चुनाव प्रचार के लिए न केवल प्रचार कराया बल्कि गुजरात की जनता के दर्द को समझा तथा उसी से चुनावी मुद्दा बनाया। उन्होंने युवाओं को जोड़ कर ओबीसी, एस.सी./एस.टी. एवं गांवों में सरकारी योजनाओं से वंचित रहे लोगों के दर्द को समझ कर वोट की महत्ता बताते हुए उनके राज में सर्व समाज के लिए किए गए कल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी तथा समझाया कि अगर कांग्रेस का राज गुजरात में आता है तो यहां भी सर्व समाज के लिए कार्य किया जाएगा।

जिसका नतीजा यह हुआ कि गुजरात चुनावों में न केवल कांग्रेस ने भाजपा को बेनकाब किया बल्कि आश्चर्य जनक तरीके से 80 सीटें जीत कर सभी राजनैतिक पार्टियों को जता दिया कि वे समाज के सभी वर्ग की नब्ज को समझते है। गुजरात में करीब 30 सीटें तो ऐसी रही जहां हार-जीत का नतीजा 200 से 3000 वोटों का ही रहा। यह अशोक गहलोत की मेहनत का ही नतीजा था कि 30 वर्षों के बाद गुजरात में कांग्रेस लगभग चुनाव जीत ही जाती ये तो कांग्रेस के ही कुछ नेताओं के अमर्यादित बोल थे जिसका फायदा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने गुजरात की जनता में प्रचार प्रसार कर सहानुभुति प्राप्त कर इस चुनाव में जैसे तैसे जीत दर्ज की।

समाज की मूक बधिर बेटी ने किया नाम रोशन

रेणू सैनी ने राष्ट्रीय टेबिल टेनिस प्रतियोगिता में जीता गोल्ड

रांचीद्धउतराखंडऋ में आयोजित राष्ट्रीय टेबिल टेनिस खेलों में श्री रामकिशन जी सैनी, सहायक उप निरीक्षक, दरगाह पुलिस थाना, अजमेर मूल निवासी पाटण द्धसीकरऋ की होनहार बेटी कुमारी रेणू सैनी ने टेबिल टेनिस में राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतकर समाज का व राजस्थान का नाम रोशन किया है । वर्ष 2012 में कुमारी रेणू सैनी ने राष्ट्रीय स्तर पर सिलवर मेडल जीता था तथा सरकार की और ढ़ाई लाख रूपये का ईनाम मिला था । उल्लेखनीय है कि मन में जज्बा कुछ करके दिखाने का हो तो बाधाएँ कहीं आड़े नहीं आती है, यह सि) करके दिखाया है होनहार बेटी कुमारी रेणू सैनी ने। माली सैनी संदेश परिवार कुमारी रेणू सैनी की विजयश्री पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता है एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता है ।

समाज गौरव नैना कुशवाह सैनी को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

आगरा। सुश्री नैना कुशवाह पुत्री श्री राकेश कुशवाह, रूबी क्लोथ स्टोर, बिलराम गेट, कासगंज व भतीजी श्री रूप किशोर कुशवाह निवर्तमान चेयरमेन, नगर पालिका परिषद, कासगंज ने भौतिक विज्ञान में डा भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा से 'सर्वोच्च' स्थान प्राप्त कर अपने समाज को गौरवान्वित किया। यूनीवर्सिटी टश्वपर्स को महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने 5 दिसंबर 2017 को स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया। माली सैनी संदेश परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाये।

पिता ने बेटी की शादी में हर बाराती को नेग में इसलिए दिया हेलमेट

चूरू। 4, दिसम्बर सावों के इस मौसम में चल रही शादियों के बीच 'शहर में रविवार को हुई एक अनूठी शादी जनचर्चा का विषय और हर किसी के लिए प्रेरणा स्रोत बन' गई। दरअसल हुआ यूं कि समाचार पत्रों में आए दिन प्रकाशित होने वाली सडक हादसों में जिंदगी गंवा रहे लोगों की खबरें शहर के भवानीशंकर बालान को अंदर तक झकझोर देती थी। आमजन को ऐसे हादसों में सुरक्षित बचाने के लिए एक नया संदेश देने की सोच रहे थे। मगर वे ये तय नहीं कर पा रहे थे कि किस तरह इस सोच को अंजाम दिया जाए। काफी सोच-विचार के बाद बालाण ने इस अच्छी सोच को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अपनी लाडली बेटी विनिता की शादी का दिन चुना। मगर वे ये तय नहीं कर पा रहे थे कि ये सपना कैसे पूरा किया जाए। ताकि शादी में आने वाला हर बाराती एक नया संदेश लेकर जाए और अन्य जनों को भी

इससे प्रेरणा मिल सके। मन की बात बड़े भाई मुरलीमनोहर और बेटे हेमंत व मदन गोपाल को बताई। काफी विचार-विमर्श के बाद सभी परिजनों ने मिलकर तय किया कि हर बाराती को जान जंवारी के रूप में हेलमेट दिया जाए। ताकि वो दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अपनी आदत में शुमार करें। जाने-अनजाने में हादसा हो भी तो किसी की जिंदगी खत्म ना हो और कोई परिवार उजडने से बच सके। 'दुल्हन के पिता भवानीशंकर बालान व भाई मुरली बालान (मुम्बई प्रवासी)' ने बताया कि सडक हादसों में आए दिन हो रही मौतों से किसी बहन-बेटी का सुहाग उजड़ रहा है। समाचार पत्रों में ये खबरें पढकर मन को पीड़ा होती है। इस वजह से परिजनों की सहमति से जान जंवारी में बारातियों को हेलमेट भेंट करने का निर्णय लिया। 'ताकि हादसों में किसी का सुहाग ना उजड़े'।

15 जनवरी, 18 को जोधपुर में सामूहिक विवाह का आयोजन

5 तक होंगे पंजीयन धूमधाम से शादी में परिवार के खर्च होंगे। सिर्फ 51 सौ रुपए , नव दंपतियों को मिलेंगे उपहार

जोधपुर। श्रीनारायण सेवा समिति, मंडोर के तत्वावधान में आगामी 15 जनवरी को सामूहिक विवाह समारोह आयोजित होगा। इसमें 21 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे अब तक 10 जोड़ों का पंजीयन हो चुका है। पंजीयन 5 जनवरी तक होंगे। समिति के अध्यक्ष मनोहरसिंह सांखला ने बताया, कि वर और वधू पक्ष से 5100 रुपए पंजीयन शुल्क लिया जा रहा है, शेष खर्च समिति उठाएगी। दानदाताओं से राशि जुटाकर नव दंपतियों को डेढ़ लाख रुपए तक के उपहार नया जीवन शुरू करने के लिए दिए जाएंगे।

घर-घर संपर्क कर पंजीयन अभियान शुरू : सांखला ने बताया, कि सामूहिक विवाह समारोह में पंजीयन करवाने के लिए कार्यकर्ताओं की टीम मथानिया, रामपुरा, घेवड़ा, तिंवरी, पीपाड़ और भोपालगढ़ क्षेत्रों में घर-घर संपर्क कर रही है। समितियों का गठन, अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी : आयोजन को सफल बनाने के लिए तीन समितियां गठित की गई हैं। संयोजन समिति में लक्ष्मणसिंह सांखला को संयोजक, रामेश्वर गहलोत को सहसंयोजक और दस सदस्यों को शामिल किया गया है। वित्त समिति का अध्यक्ष ओमप्रकाश गहलोत को बनाया गया है। पृथ्वीसिंह गहलोत, प्रेमसिंह गहलोत, युधिष्ठिर गहलोत, तारासिंह सांचाला, चेतन गहलोत को सदस्य बनाया गया है। स्वागत समिति में हनुमानसिंह मिस्त्री को अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। भंवरसिंह सोलंकी, डॉ. महेश परिहार, अक्षयसिंह टाक, कल्याणसिंह, आनंदसिंह, जगदीश परिहार और लक्ष्मणसिंह परिहार को सदस्य बनाया गया है। मंगलवार को तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में रामेश्वर गहलोत, भंवरचंद सोलंकी, आनंदसिंह, प्रेमसिंह गहलोत, जगदीश परिहार, ओमप्रकाश गहलोत, छंवरसिंह कच्छवाह, कल्याणसिंह सांखला सहित अनेक लोग मौजूद थे।

रेणु सैनी पोकरण एसडीएम

माली सैनी समाज किशनगढ़ की बेटी की नियुक्ति पोकरण में एसडीएम के पद पर हुं। जैसलमेर जिले के पोकरण कस्बे में रेणु सैनी पहली महिला है जिसे भाजपा सरकार ने यह पद सौंपा हैं

रेणु सैनी के पदभार ग्रहण करने पर क्षेत्र में माली समाज में खुशी की लहर दौड़ गई।

उपखण्ड अधिकारी का पद भार ग्रहण करने के बाद रेणु सैनी ने अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे अपने कार्य में किसी भी तरह की लापारवाही ना बरतें तथा सरकार की योजनाओं को अच्छी तरह से लागू करने में सहयोग कर समाज के सभी वर्गों में ज्यादा से ज्यादा सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने का कार्य करें।

ज्ञात रहे रेणु सैनी किशनगढ़ में समाज के नेता एवं होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष किशनलाल गहलोत की सुपुत्री है।

महामंदिर स्थित ज्योतिबा-फूले पार्क में युवाओं द्वारा श्रमदान

जोधपुर। स्वच्छ भारती की कामनाओं को लेकर आज माली समाज के युवाओं ने महामंदिर स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले पार्क में श्रमदान किया। माली युवा महासभा के जिलाध्यक्ष निर्मल सोलंकी ने जानकारी देते हुए बताया कि काफी समय से पार्क की स्थिति अत्यन्त दयनीत बनी हुई थी। पूरा पार्क कुडे-कचरे से भरा पड़ा था, यहाँ तक की असमाजिक तत्वों ने इस पर अतिक्रमण कर रखा था। महासभा की जोधपुर टीम ने सामाजिक स्थलों के रख-रखाव करने हेतु हर माह के अंतिम रविवार को श्रमदान का निर्णय लिया था। इस कड़ी में आज सभी पदाधिकारियों के साथ संत शिरोमणि लिखमीदास जी स्मारक संस्थान के सहयोग से सुबह 8.00 से पार्क से साफ-सफाई की शुरूआत की गई। श्रमदान में प्रेस फोटोग्राफर जगदीश देवड़ा, जुगल पंवार, राजेश गहलोत, मंगलसिंह देवड़ा, लक्ष्मणसिंह सोलंकी, प्रकाश भाटी, अर्जुन सुनिल सोलंकी, हरिश गहलोत, दशरथ गहलोत, विनित भाटी, गौरव भाटी, विमलेश गहलोत, रवि परिहार कैलाश सोलंकी, महीन सांखला, शेरसिंह गहलोत आदि ने पार्क में पड़ी गन्दगी हटाने में सहयोग किया। इसके साथ ही महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा को साफ किया तथा पार्क के बाहर हो रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए नगर निगम जोधपुर के कमिश्नर को ज्ञापन देने का निर्णय लिया। ज्ञात रहे इस पार्क को माली समाज की प्रमुख पत्रिका माली सैनी संदेश द्वारा गोद लिया गया है तथा शीघ्र इस पार्क को मूल स्वरूप में लौटाने के लिए पत्रिका द्वारा नगर निगम की अनुमति से सौंदर्यकरण किया जायेगा।

संस्था जिलाध्यक्ष निर्मल सोलंकी ने युवाओं द्वारा स्वच्छता के लिए उठाये जाने वाले कदमों को स्वच्छ भारत की कल्पनाओं को सकारा होने के तरफ बढ़ता एक सार्थक कदम बताया और सभी युवाओं का आभार व्यक्त किया।

विशेष सूचना

3 जनवरी, 2018 को राष्ट्र की प्रथम महिला शिक्षिका 'सावित्री बाई फुले जयंती' के अवसर पर अपने क्षेत्र में बालिका शिक्षा हेतु अलख जगा माता सावित्री बाई फूले को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

जो सरस्वती को तो जानते है लेकिन सावित्री बाई फूले को नही जानते वो पूरा लेख पढ़े

3 जनवरी, 'सावित्रीबाई फुले जयंती'

नाम - **सावित्रीबाई फूले**

जन्म - **3 जनवरी सन् 1831**

मृत्यु - **10 मार्च सन् 1897**

उपलब्धि - कर्मठ समाजसेवी जिन्होंने समाज के पिछड़े वर्ग खासतौर पर महिलाओं के लिए अनेक कल्याणकारी काम किये, उन्हें उनकी मराठी कविताओं के लिए भी जाना जाता है।

जन्म व विवाह - सावित्रीबाई फूले का जन्म महाराष्ट्र के सतारा जिले के नायगाँव नामक स्थान पर 3 जनवरी सन् 1831 को हुआ। उनके पिता का नाम खण्डोजी नेवसे और माता का नाम लक्ष्मीबाई था। सन् 1840 में मात्र नौ वर्ष की आयु में ही उनका विवाह बारह वर्ष के ज्योतिबा फूले से हुआ। महात्मा ज्योतिबा फूले स्वयं एक महान विचारक, कार्यकर्ता, समाज सुधारक, लेखक, दार्शनिक, संपादक और क्रांतिकारी थे।

सावित्रीबाई पढ़ी-लिखी नहीं थीं। शादी के बाद ज्योतिबा ने ही उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया। बाद में सावित्रीबाई ने ही पिछड़े समाज की ही नहीं, बल्कि देश की प्रथम शिक्षिका होने का गौरव प्राप्त किया। उस समय लड़कियों की दशा अत्यंत दयनीय थी और उन्हें पढ़ने लिखने की अनुमति तक नहीं थी। इस रीति को तोड़ने के लिए ज्योतिबा और सावित्रीबाई ने सन् 1848 में लड़कियों के लिए एक विद्यालय की स्थापना की। यह भारत में लड़कियों के लिए खुलने वाला पहला स्त्री विद्यालय था।

सावित्रीबाई फुले कहा करती थीं - **अब बिलकुल भी खाली मत बैठो, जाओ शिक्षा प्राप्त करो!**

सचमुच जहाँ आज भी हम लैंगिक समानता (Gender Equality) के लिए संघर्ष कर रहे हैं वहीं अंग्रेजों के जमाने में सावित्रीबाई फुले ने ओबीसी महिला होते हुए हिन्दू समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ जो संघर्ष किया वह अभूतपूर्व और बेहद प्रेरणादायक है। ऐसी महान आत्मा को शत-शत नमन!

समाज का विरोध -

सावित्रीबाई फूले स्वयं इस विद्यालय में लड़कियों को पढ़ाने के लिए जाती थीं। लेकिन यह सब इतना आसान नहीं था। उन्हें लोगों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। उन्होंने न केवल लोगों की गालियाँ सहीं अपितु लोगों द्वारा फेंके जाने वाले पत्थरों की मार तक झेली। स्कूल जाते समय धर्म के ठेकेदार व स्त्री शिक्षा के विरोधी सावित्रीबाई फूले पर कूड़ा-करकट, कीचड़ व गोबर ही नहीं मानव-मल भी फेंक देते थे। इससे सावित्रीबाई के कपड़े बहुत गंदे हो जाते थे अत: वो अपने साथ एक दूसरी साड़ी भी साथ ले जाती थीं जिसे स्कूल में जाकर बदल लेती थीं। इस सब के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी व स्त्री शिक्षा व समाजोत्थान का कार्य जारी रखा।

विधवा पुनर्विवाह के लिए संघर्ष

स्त्री शिक्षा के साथ ही विधवाओं की शोचनीय दशा को देखते हुए उन्होंने विधवा पुनर्विवाह की भी शुरुआत की और 1854 में विधवाओं के लिए आश्रम भी बनाया। साथ ही उन्होंने नवजात शिशुओं के लिए भी आश्रम खोला ताकि कन्या शिशु हत्या को रोका जा सके। आज देश में बढ़ती कन्या भ्रुण हत्या की प्रवृत्ति को देखते हुए उस समय कन्या शिशु हत्या की समस्या पर ध्यान केंद्रित करना और उसे रोकने के प्रयास करना कितना महत्त्वपूर्ण था इस बात का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं। विधवाओं की स्थिति को सुधारने और सती-प्रथा को रोकने व विधवाओं के पुनर्विवाह के लिए भी उन्होंने बहुत प्रयास किए। सावित्रीबाई फूले ने अपने पति के साथ मिलकर काशीबाई नामक एक गर्भवती विधवा महिला को न केवल आत्महत्या करने से रोका अपितु उसे अपने घर पर रखकर उसकी देखभाल की और समय पर डिलीवरी करवाई। बाद में उन्होंने उसके पुत्र यशवंत को दत्तक पुत्र के रूप में गोद ले लिया और खूब पढ़ाया - लिखाया जो बाद में एक प्रसिद्ध डॉक्टर बना।

कवयित्री के रूप में सावित्रीबाई फूले

उन्होंने दो काव्य पुस्तकें लिखीं-

'काव्य फूले'

'बावनकशी सुबोधरत्नाकर'

बच्चों को विद्यालय आने के लिए प्रेरित करने के लिए वे कहा करती थीं-

''सुनहरे दिन का उदय हुआ आओ प्यारे बच्चों आज
हर्ष उल्लास से तुम्हारा स्वागत करती हूं आज''

पिछड़ा शोषित उत्थान में अतुलनीय योगदान

सावित्रीबाई फूले ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपने जीवनकाल में पुणे में ही उन्होंने 18 महिला विद्यालय खोले। 1854 ज्योतिबा फूले और सावित्रीबाई फूले ने एक अनाथ-आश्रम खोला, यह भारत में किसी व्यक्ति द्वारा खोला गया पहला अनाथ-आश्रम था। साथ ही अनचाही गर्भावस्था की वजह से होने वाली शिशु हत्या को रोकने के लिए उन्होंने बालहत्या प्रतिबंधक गृह भी स्थापित किया।

समाजोत्थान के अपने मिशन पर कार्य करते हुए ज्योतिबा ने 24 सितंबर 1873 को अपने अनुयायियों के साथ 'सत्यशोधक समाज' नामक संस्था का

निर्माण किया। वे स्वयं इसके अध्यक्ष थे और सावित्रीबाई फूले महिला विभाग की प्रमुख। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य शूद्रों (Obc) और अति शूद्रों को उच्च जातियों के शोषण से मुक्त कराना था। ज्योतिबा के कार्य में सावित्रीबाई ने बराबर का योगदान दिया। ज्योतिबा फूले ने जीवन भर निम्न जाति, महिलाओं और पिछड़े शोषितों के उद्धार के लिए कार्य किया। इस कार्य में उनकी धर्मपत्नी सावित्रीबाई फूले ने जो योगदान दिया वह अद्वितीय है। यहाँ तक की कई बार ज्योतिबा फूले स्वयं पत्नी सावित्रीबाई फूले से मार्गदर्शन प्राप्त करते थे।

28 नवम्बर 1890 को महात्मा ज्योतिबा फुले की मृत्यु के बाद उनके अनुयायियों के साथ ही सावित्रीबाई फूले ने भी सत्य शोधक समाज को दूर-दूर तक पहुँचाने, अपने पति महात्मा ज्योतिबा फूले के अधूरे कार्यों को पूरा करने व समाज सेवा का कार्य जारी रखा।

मृत्यु- इतनी बड़ी करुणा की देवी कि, मौत को भी गले लगा लिया

सन् 1897 में पुणे में भयंकर प्लेग फैला। प्लेग के रोगियों की सेवा करते हुए, प्लेग से तड़पते हुए अछूत जाति के बच्चे को पीठ पर लाद कर लाने के कारण सावित्रीबाई फूले स्वयं भी प्लेग की चपेट में आ गई और 10 मार्च सन् 1897 को उनका भी देहावसान हो गया।

सन्देश-

उस जमाने में ये सब कार्य करने इतने सरल नहीं थे जितने आज लग सकते हैं। अनेक कठिनाइयों और समाज के प्रबल विरोध के बावजूद महिलाओं का जीवनस्तर सुधारने व उन्हें शिक्षित तथा रूढ़िमुक्त करने में सावित्रीबाई फूले का जो महत्त्वपूर्ण दया, त्याग और योगदान रहा है उसके लिए देश हमेशा उनका ;णी रहेगा।

हमे क्या करना चाहिए ?

3 जनवरी, '**सावित्रीबाई फुले जयंती**' एक राष्ट्रीय उत्सव की तरह मनाना चाहिए।

1. हर गांव गली चौक मोहल्ले में सावित्रीबाई फुले की तस्वीर लगाकर उनके सम्मान में इकठ्ठा होकर उनकी तश्वीर को माल्यार्पण करना चाहिए ।
2. उनके जीवन दर्शन पर चर्चा करनी चाहिए और महात्मा फूले की किताब '**गुलामगिरी**' गिफ्ट करनी चाहिए ।
3. युवाओं को उनकी तस्वीर छपी टी-शर्ट पहन कर मोटरसाइकिल मार्च निकलना चाहिए ।
4. उनके द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षित करने के जो पुनीत कार्य किए गए उनसे प्रेरणा ले शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान दे उस महान आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने का प्रयास करना चाहिए।

सैनी समाज के दो बेटियों ने गोल्ड जीतकर किया जिले का नाम रोशन

टोंक। मालीसमाज की दो बेटियों ने भारोत्तोलन में राज्य स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर जिले के साथ ही समाज का भी नाम रोशन किया है। गत दिनों दौसा में आयोजित राज्य स्तरीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में टोंक के मेहंदी बाग मोहल्ले की रहने वाले सुगना सैनी एवं रेखा सैनी ने अपने अपने भार वर्ग में अच्छा प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल प्राप्त किए। जिस पर समाज सहित खेल प्रेमियों ने हर्ष जताया है।

टोंक जिला भारोत्तोलन संघ सचिव एवं सीनियर वैट एंड पावर लिफ्टर कन्हैयालाल सैनी ने बताया कि दौसा जिले में आयोजित नवी यूथ एंड 40 वीं जूनियर राजस्थान स्टेट वैट लिफ्टिंग ओपन चौंपियनशिप में टोंक कि सुगना सैनी ने अपना पूर्व का रिकार्ड तोड़ते हुए अच्छा प्रदर्शन किया। उसने 45 किलो स्नेक प्लस 60 किलो क्लीन स्नेच प्लस 60 किलो क्लीन एंड जर्क में टोटल भार 110 किलो वजन उठाकर गोल्ड मेडल हांसिल किया।

इसी प्रकार 53 किलो वेट में रेखा सैनी ने स्नेच में 50 किलो एवं क्लीन एंड जर्क में 60 किलो प्लस टोटल भार 110 किलो वजन उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों को भारोत्तोलन में मिले गोल्ड पर जहां खेल प्रेमियों एवं समाज के लोगों ने हर्ष जताया है। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी दोनों ही खिलाड़ियों ने राज्य स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर मेडल हांसिल कर टोंक का नाम रोशन किया है। गत वर्ष राज्य स्तरीय सीनियर ओपन भारोत्तोलन में रेखा सैनी ने 48 किलोभार वर्ग में 100 किलो भार उठाकर राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। इसी प्रकार सुगना सैनी ने 53 किलोभार वर्ग में 82 किला भार उठाकर राज्य में तृतीय स्थान प्राप्त किया था। इसी प्रकार टोंक की ये दोनों खिलाड़ी गत वर्ष राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर चौंपियन बनी थी।

लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भी उन पर सरकार द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। स्पोर्टस काउंसिल से उनको जो आर्थिक सहायता मिलना चाहिए थी, वो अब तक नहीं मिल पाई है। माली सैनी संदेश परिवार समाज की प्रतिभाशाली लड़कियों को उत्कृष्ठ प्रदर्शन पर हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता है साथ ही समाज की प्रमुख संस्थाओं को समाज की प्रतिभाशाली प्रतिभाओं के लिए विशेष आर्थिक पैकेज देने व राज्य सरकार में समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले राजनैतिज्ञों को ऐसी प्रतिभाओं को सरकारी सहायता प्रदान करने के लिए मांग करें। जिससे समाज की ऐसी प्रतिभाऐं देश ही नहीं विदेशों में भी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज व देश को गौरवान्वित कर सकें।

22 पत्थरों पर लिखे मिले पद्मावती से जुड़े विवादित बयान , पुलिस के लिए अबुझ पहेली बनी, समाज की सीबीआई जांच की मांग

नाहर गढ़ किले की पहाड़ी पर मिला चेतन सैनी का शव

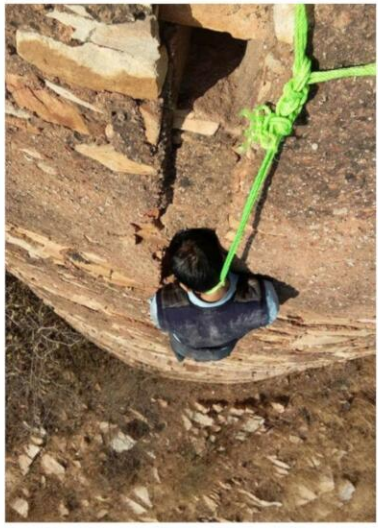

जयपुर। पद्मावती फिल्म पर उठे विरोध के बवंडर ने शुक्रवार को जयपुर में नया ही रंग ले लिया। नाहरगढ़ किले की 40 फीट ऊंची बाहरी दीवार पर 40 वर्षीय युवक चेतन कुमार सैनी की लाश रस्सी से लटकी मिली। घटनास्थल के पास करीब 20-22 पत्थरों पर कोयले से पद्मावती फिल्म से जुड़े विवादित बयान लिखे हुए थे। हालांकि, प्रथम दृष्ट्या इसे सांप्रदायिक रंग देने और हत्या के मामले में पुलिस को भटकाने का प्रयास माना जा रहा है। बड़ा सवाल यह भी है कि चेतन ने आत्महत्या की या उसकी हत्या की गई। चेतन नाहरी नाका स्थित ज्ञान मार्ग पंचमुखी कॉलोनी का निवासी था और आर्टिफिशियल ज्वैलरी का काम करता था। चारदीवारी के लोग सुबह जैसे ही जागे, किले पर पुतले की तरह लटके शव को देख हैरान रह गए। सुबह करीब 9 बजे पुलिस को इसकी सूचना मिली। दोपहर एक बजे उसे उतारा जा सका। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत की बात सामने आई है। परिजनों की सूचना के आधार पर पुलिस ने अनवर नाम के युवक से पूछताछ की। घटनास्थल के आसपास पत्थरों पर विवादित लेख लिखे गए हैं। माना जा रहा है कि आरोपियों ने पद्मावती को इश्यू बनाकर पुलिस को भटकाने और मामले को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास किया है।

हत्या है या आत्महत्या? चेतन का कारोबार के सिलसिले में कुछ लोगों से लेन-देन विवाद था। पुलिस के मुताबिक वह हाल ही किसी से पैसे लेने सीकर भी गया था। पुलिस भी प्रथम ष्ट्या हत्या की आशंका जता रही है। जिस रस्सी से शव लटक रहा था, वह बिल्कुल नई थी। उसके चेहरे पर हल्के चोट के निशान थे। चेतन दोपहर 3रू30 बजे घर से निकला था। मोबाइल लोकेशन 3: 50 पर चांदपोल एरिया की। इसके बाद 5:20 से नाहरगढ़ की। अगर आत्महत्या है तो कोयले से हाथ काले क्यों नहीं? क्योंकि पत्थरोंपर विवादित बयान कोयले से लिखे हैं। चेतन की उंगलियों या हाथों पर कोयले के निशान नहीं हैं। जिस रस्सी से चेतन का शव लटकता पाया गया है, वह बड़ी और मोटी है। ऐसी रस्सी पर खुद गांठ लगाकर फंदे से लटकना आसान नहीं है। चेतन ने शाम 5:30 बजे सेल्फी ली थी। पत्नी को फोन कर कहा था कि रात 9 बजे तक घर जाऊंगा, खाना बना लेना।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट गई पर पुलिस हत्या या आत्महत्या में उलझी

36 घंटे बीते...पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई पर पुलिस हत्या या आत्महत्या में उलझी । शुक्रवारकी सुबह नाहरगढ़ के किले से पूरे शहर को झकझोर देने वाली चेतन सैनी की मौत की खबर पुलिस के लिए पहेली बनी है। बुर्ज की दीवार से लटके चेतन के शव को उतारे हुए 36 घंटे से बीत चुके हैं। और पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी चुकी है, मगर पुलिस तय नहीं कर पा रही है कि ये हत्या थी या आत्महत्या। डीसीपी नार्थ सत्येंद्र सिंह का दावा है कि हत्या को पुष्ट करने वाला कोई साक्ष्य नहीं मिला है, फिर भी पुलिस हर बिंदु की जांच कर रही है। अब पुलिस की आस एफएसएल रिपोर्ट पर टिकी है। जबकि शनिवार को मृतक चेतन की पत्नी नीतू ने ब्रह्मपुरी थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दी। यही नहीं, मुहाना मंडी फल-सब्जी के अध्यक्ष राहुल तंवर अन्य पदाधिकारियों ने डीसीपी को ज्ञापन देकर हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच करने की मांग की। मगर, पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। पुलिस ने चेतन के विसरा सैंपल और पत्थरों पर लिखावट के नमूने जांच के लिए एफएसएल को भेजे हैं।

दूसरी ओर, डीसीपी सत्येन्द्र सिंह ने बताया कि गुरुवार शाम 4 बजे चेतन के गधा पार्क एरिया बगरू वाला के रास्ते में चौथे चौराहे से माउंट रोड मीणा कश्वलोनी होते हुए नाहरगढ़ पर जाने के फुटेज मिले है। चेतन किले पर अकेला जा रहा था और उसके हाथ में रस्सी भी नहीं थी। पोस्टमार्टम के लिए गठित मेडिकल बोर्ड ने माना है कि चेतन की मौत दम घुटने की वजह से हुई है। रिपोर्ट में ये भी स्पष्ट किया गया है कि फंदे पर लटकते समय चेतन जिंदा था। यानी किसी ने हत्या के बाद उसका शव नहीं लटकाया। रिपोर्ट में ये स्पष्ट नहीं हो पाया है कि चेतन खुद फंदे पर लटका या उसे किसी ने जबरदस्ती लटकाया। उसके गाल पैरों पर हल्की चोट के निशान थे जिस पर रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसी चोट फंदे पर लटकने के दौरान लग सकती है। मगर ये चोट किसी व्यक्ति से संघर्ष के दौरान भी लग सकती हैं।

पुलिस चेतन का सुसाइड नोट ढूंढ़ रही है, परिवार कह रहा-चेतन की हत्या हुई है : घटना का चौथा दिन- हैंड राइटिंग से मिलान तक नहीं हो पाया, हत्या की रिपोर्ट दर्ज की और ना आत्महत्या की पुष्टि । नाहरगढ़ के बुर्ज पर चेतन सैनी का शव चार दिन पहले लटका मिला था, मगर पुलिस अब तक कोई केस ही नहीं दर्ज कर पाई है। घरवाले कह रहे हैं कि चेतन की हत्या हुई है...पुलिस इस आशंका को खारिज नहीं कर रही। फिर भी जांच इस मामले को आत्महत्या साबित करने की दिशा में बढ़ती दिख रही है। मामले में हत्या की ओर इशारा करने वाले तथ्यों की जांच तो आगे बढ़ नहीं रही।

सोमवार को पुलिस ने चेतन के घर पर उसका कमरा सुसाइड नोट की तलाश में खंगाल डाला। सुसाइड नोट तो मिला नहीं, पुलिस ने चेतन की हैंडराइटिंग के नमूने लेकर एफएसएल को भेजे हैं। चेतन के भाई का दावा है कि पत्थरों पर मिली लिखावट चेतन की नहीं है। परिजनों के आरोपों और दावों के बावजूद ब्रह्मपुरी

पुलिस हत्या का केस दर्ज करने को तैयार नहीं है। मामले केवल मर्ग कायम कर बैठे पुलिस अधिकारियों की आस अब तक एफएसएल रिपोर्ट पर ही टिकी है।

ब्रह्मपुरी थानाधिकारी रामकिशन विश्नोई कहते हैं- चेतनकी मौत के बाद मर्ग दर्ज किया है। अभी जांच कर रहे हैं। हत्या जैसे साक्ष्य मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिसने सोमवार को चेतन के घर से उसकी लिखावट वाले दस्तावेज और डायरी जब्त किए हैं। इन्हें एफएसएल को भेजा गया है ताकि नाहरगढ़ के पत्थरों पर मिली लिखावट से इनका मिलान किया जा सके। मगर चेतन के भाई प्रीतम का दावा है कि किले के पत्थरों पर मिली लिखावट चेतन की है ही नहीं। उन्होंने दावा किया कि उन्हें किसी जांच की जरूरत नहीं, वे चेतन की हैंडराइटिंग अच्छी तरह पहचानते हैं।

पूरे परिवार की गुहार , सच बताए पुलिस, वरना सीबीआई से जांच कराए सरकार : नाहरगढ़ पर 24 नवम्बर को फदे से लटके मिले चेतन के मामले में पुलिस का नतीजे तक नहीं पहुंचना रविवार को परिवार और समाज के लोगों में आक्रोश बढ़ा गया। परिवार-समाज के लोगों ने प्रदर्शन कर जाम लगा दिया। वहीं चेतन की पत्नी, पिता सहित अन्य परिजनों ने आरोप लगाए कि राजनैतिक दांव-पेच मे उलझकर पुलिस न सिर्फ सच छुपा रही है बल्कि इसे आत्महत्या साबित करने की साजिश में जुटी है। चेतन ने आत्महत्या नहीं की, उसकी हत्या हुई है। सरकार इसकी सी बी आई से जांच कराए।

चेतन सैनी की मौत को लेकर माली समाज ने की न्यायिक जांच की मांग नाहरगढ़ की पहाड़ी पर चेतन सैनी की मौत को लेकर अनेकों तरह के भ्रम फैलाया जा रहे हैं पद्मावती से जोड़ा जा रहा है जो गलत है इसे लेकर आज महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष श्री मांगीलाल पवार के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल चेतन सैनी के परिवार को सांत्वना दी। ब्रहमपुरी थाने में डीसीपी को ज्ञापन देते हुए मांग की कि चेतन सैनी की मौत सुसाइड नहीं बल्कि उसे मारकर रस्सी से लटकाया गया है इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों को तुरंत गिरफ्तार कर सजा दी जानी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष मांगीलाल पवार के नेतृत्व मैं जयपुर शहर अध्यक्ष भवानी शंकर माली, ग्रामीण अध्यक्ष मूलचंद इन्दौरा, भवानी अजमेरा, शंकर लाल सैनी ठेकेदार, अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हनुमान सैनी,श्री बिरदी चंद सिंगोदिया, श्री हजारी लाल सैनी, गुलाबचंद इंदौरा, श्रीमती लीला सैनी, श्रीमती मंजू सैनी पूर्व प्रधान, मंगल सैनी, एडवोकेट गणेश सैनी, संजय सैनी, सचिन प्रकाश, एडवोकेट राजेश सैनी, श्रीमती ललिता मेहरवाल, ओमजी, सुरेश सैनी, राम सहाय सैनी, अजय सैनी, रणजीत सैनी हरमाड़ा, ग्यारसी लाल सैनी,सहित समाज संगठन के प्रतिनिधियो सहित सैकड़ों लोगों ने थाने में डीसीपी को ज्ञापन देकर न्यायिक जांच की मांग की।

राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा रजि. एवम् युवा महासभा द्वारा नाहरगढ किले पर घटित चेतन सैनी हत्या प्रकरण में दिनाँक 1 दिसबर 2017 को पीड़ित परिवार के साथ प्रातरू 11 बजे सरकार में समाज की ओर से प्रतिनिधित्व कर रहे माननीय कृषि मंत्री प्रभु लाल सैनी जी से महासभा के चेयरमैन ओंकार राम कच्छावा, कार्यकारी अध्यक्ष छुट्टन लाल सैनी, संरक्षक बिरदीचंद सिंगोदिया, सेवाराम दग्दी, उपाध्यक्ष ताराचंद गहलोत, कोषाध्यक्ष रूपचंद मारेठिया आदि के साथ महासभा की युवा शाखा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह टाक के नेतृव में वरिष्ठ समाज बन्धुओं एवम् विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर इस षड्यंत्र का पर्दाफाश करवाने लिए सरकार के गृहमंत्री एंव मुख्यमन्त्री को प्रकरण में हस्तक्षेप कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का मांग की गई। जिसके तहत युवा शाखा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह टाक एडवोकेट द्वारा मंत्री जी को अवगत करवाया गया कि उक्त घटना की जाँच मे देरी से पूरे प्रदेश के युवाओं मे भारी असंतोष है तथा युवा महासभा स्व. चेतन सैनी की हत्या की सीबीआई जाँच कराने व उसके परिवार को आर्थिक सहायता दिलवाने की माँग करती हैं। युवा प्रदेश अध्यक्ष द्वारा मृतक के पिताजी से मिलकर उन्हें सांत्वना दी गई व इस दु:ख की घड़ी में समस्त माली समाज के उनके साथ खड़े होने का आश्वासन दिया गया।

इसके अलावा समाज की विभिन्न संस्थाओं ने चेतन सैनी की हत्या की जांच सीबाईआई से करवाने की मांग को लेकर विभिन्न जिलों में राज्य सरकार को ज्ञापन दिया। फूले बिग्रेड के अध्यक्ष सी. पी. सैनी के नेतृत्व में जयपुर में तथा जोधपुर में महात्मा फूले बिग्रेड के महामंत्री देवेन्द्र गहलोत, जिलाध्यक्ष अर्जुनसिंह सांखला, माली युवा महासभा के जिलाध्यक्ष निर्मल सोलंकी के साथ ही समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने चेतन सैनी की हत्या की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है।

समाज की प्रमुख माली संस्थान जोधपुर के चुनाव 21 जनवरी, 18 को

जोधपुर। माली संस्थान जोधपुर के अध्यक्ष श्री देवीचन्द देवड़ा ने बताया की माली संस्थान जोधपुर की कार्यकारिणी बैठक में सर्व सहमति से निर्णय लिया कि श्री राजेन्द्र सिंह भाटी अगले चुनाव कार्यक्रम के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी होगे।

मुख्य चुनाव अधिकारी श्री राजेन्द्र सिंह भाटी ने बताया की माली संस्थान के संविधान के भाग दो की धारा तथा चुनाव नियमावली के अंतर्गत निम्नलिखित निर्देशों व कार्यक्रम के अनुसार माली संस्थान के निम्न पदाधिकारियों के चुनाव दिनांक 21.01.2017 को सम्पन्न होगे।

चुनाव कार्यक्रम इस प्रकार होगा:

चयनित होने वाले पदाधिकारियों का विवरण :

अध्यक्ष : एक,

उपाध्यक्ष : एक पद **मंत्री : दो पद**

संयुक्त मंत्री : एक पद **संगठन मंत्री : एक पद**

कोषाध्यक्ष : एक पद

चुनाव निर्देश : उपरोक्त चुनाव में वो ही सदस्य भाग ले सकेंगे जो माली संस्थान के पदाधिकारियों के चुनाव हेतु नियमानुसार योग्यता रखते है अर्थात जिन्होंने दिनांक 21.12.2017 को सायं 5 बजे तक संस्थान की सदस्यता ग्रहण कर ली है।

चुनाव कार्यक्रम :

सदस्यता सूची में आपत्तियां अथवा संशोधन 25.12.2017 सायं 4 बजे तक, मनोनयन पत्र प्राप्त करने की तिथि 03.01.2018 दोपहर 01 बजे से 4बजे तक, मनोनयन पत्र जमा करवाने की तिथि 04.01.2018 दोपहर 2 बजे से 5 बजे, मनोनयन पत्रों की जांच 05.01.2018 को, मनोनयन पत्रों के नाम वापसी की तिथि 07.01.2018 दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक, चुनाव चिन्ह आवंटन 08.01.2018 दोपहर 2 बजे के पश्चात्, चुनाव मतदान द्वारा यदि आवश्यक हुआ तो 21.01.2018 प्रात: 8 बजे से 4 बजे तक, चुनाव परिणामों की घोषणा चुनाव सम्पन्न व गणना पूर्ण होने के पश्चात्।

नोट :- मतदान कार्यक्रम श्री सुमेर उच्च माध्यमिक विद्यालय महांमन्दिर जोधपुर में परिसर में होगा व शेष गतिविधियाँ संस्थान कार्यालय में सम्पन्न होगी। संस्थान के माननीय सदस्य जो दिवंगत हो गये है उनके परिजन कृपया सूचित करें। सभी मतदाता से निवदेन है कि 21.01.2018 को मतदान में फोटोयुक्त परिचय पत्र साथ लेकर मताधिकार का उपयोग करे।

मंत्री श्री हनुमान सिंह गहलोत ने बताया की माली संस्थान जोधपुर के आजीवन /साधारण सदस्य माली समाज जो कोई भी इच्छुक व्यक्ति बनना चाहता है वह दिनांक 21.12.2017 तक निर्धारित प्रपत्र संस्थान कार्यालय से प्राप्त कर निर्धारित राशि मय फोटो एवं फोटो युक्त पहचान पत्र जमा कर सदस्यता प्राप्त कर सकता है। सदस्यता हेतु दस्तावेज सहित कार्यालय - माली संस्थान, जोधपुर, नैनूराम अचल स्मृति भवन, महामन्दिर, मण्डोर रोड़, जोधपुर (राज.) में कार्यालय समय में सम्पर्क किया जा सकता है।

भीनमाल में प्रतिभा सम्मान समारोह 7 जनवरी, 2018 को होगा आयोज्य

भीनमाल, (निसं)। संत श्री लिखमीदास सेवा संस्थान भीरू ग्रुप के तत्वावधान में आयोजित होने वाले 14 वें जिला स्तरीय माली समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन रविवार 7 जनवरी को को क्षेंमकरी माता तलहटी पर स्थित माली समाज भवन में होगा। संस्थान के सचिव भंवरलाल सोलंकी ने बताया कि उक्त समारोह में जिले भर से माली समाज के 495 छात्र छात्राओं को सिल्वर मेडल, प्रशस्ति पत्र, स्कूल बैग व नोटबुक देकर सम्मानित किया जाएगा। संस्थान के अध्यक्ष छगाराम साँखला ने बताया कि इस बार समारोह में युवाओं को परंपरागत वेशभूषा कुर्ता, पाजामा में एवं महिलाओं को परंपरागत वेश में भाग लेने का आह्वान किया गया है। साँखला ने बताया कि समारोह में श्री श्री 1008 श्री महंत रामप्रसाद जी महाराज गादीपति बड़ा रामद्वारा सूरसागर जोधपुर की सानिध्यता रहेगी। जबकि समारोह के मुख्य वक्ता के रूप में परसाराम टॉक एसडीएम नागौर, समाजसेवी मनीषा मण्डादे मुंबई, एडवोकेट भावना, सैनी दौसा, तहसीलदार विशनाराम देवड़ा, डॉ. सुरेन्द्र देवड़ा जोधपुर, बैंगलोर से कालूराम गहलोत, रूपेश सोलंकी सहित कई प्रबुद्ध जन रहेगें। समारोह को लेकर युवाओं को विभिन्न जि मेदारी सौंपी गई। समारोह को लेकर प्रभुराम सांखला, पारसमल सुंदेशा, कोषाध्यक्ष पारसमल सांखला, दिनेश सांखला, हंजारीमल परमार, चेतन गहलोत, बाबूलाल परमार, बाबूलाल सुंदेशा, चतराराम सुंदेशा, आसूराम, कलाराम, मानाराम ,लालाराम, मांगीलाल परमार, हीरालाल, कुलदीप सोलंकी, प्रकाश सुंदेशा व प्रवीण सोलंकी सहित कई समाजबंधु तैयारियों में लगे हुए है। ज्ञातव्य रहे कि जालोर जिला माली समाज के इस सबसे बड़े प्रतिभा स मान समारोह में देश भर से समाज के प्रवासी व प्रबुद्ध लोग भाग लेते है। समारोह में 495 प्रतिभाओं को स मानित करना अपने आप में एक कीर्तिमान है। सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं को सिल्वर कॉइन, प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो आदि प्रदान किये जाते है। समारोह के पूर्व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। जिसमें 8 से 11 वर्ष तक के बालक बालिका अपनी प्रस्तुतियां देगें। समारोह को लेकर समाज के प्रत्येक बंधु तक संदेश, पत्रिका, पेपलेट सहित प्रचार सामग्री का वितरण युवा कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया है।

माली सैनी संदेश की ओर से
संत श्री लिखमीदासजी एवं कुलदेवी
कैलेण्डर 2018 नि:शुल्क
हमारे कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

सम्पर्क : 9414475464

जसनगर में भागवत कथा का आयोजन 28 दिसम्बर से, निः शुल्क कम्प्यूटर सेंटर का हुआ शुभारंभ

जसनगर, 15 दिसम्बर। कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में 28 दिसम्बर से 4 जनवरी तक भागवत् कथा का आयोजन होंगे । जिसमें सन्त आत्मारामजी महाराज द्वारा भागवत् कथा वाचन करेंगे । सेवानिवृत अध्यापक कचराराम माली ने बताया कि यह भागवत् कथा का आयोजन समस्त ग्रामवासियों द्वारा 28 दिसम्बर से 4 जनवरी तक को लेकर बैठक आयोजित की गई । जिसमें इस मौके पर सेवानिवृत अध्यापक कचराराम माली, मेघराज गहलोत, हड़मानराम दगदी, जयप्रकाष सांखला, दुलाराम सैनी पांचाराम सांखला, भाणु षर्मा सहित कई गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया ।

जसनगर में माली समाज के छात्र-छात्राओं के लिए निःशुल्क कम्प्यूटर कोचिंग सेन्टर का भव्य शुभारंभ : जसनगर 15 दिसम्बर, कस्बे के भंवाल माताजी रोड स्थित फूलमाली सैनी समाज बगीची में माली समाज के छात्र-छात्राओं के लिए शुक्रवार को प्रातः निः शुल्क कम्प्यूटर कोचिंग सेन्टर का भव्य शुभारम्भ करते हुए माली समाज के पंचगण एवं भामाशाहओं द्वारा किया गया। इस मौके पर पोतेदार हीरालाल सांखला ने बताया कि भामाशाह दुलाराम मोतीलाल सांखला मनोहर टेक्सटायल्स् पुणे, कैलाशचन्द मदनलाल सांखला, ग्राम सेवा सहकारी समिति के व्यवस्थापक सोहनलाल भाटी, दशरथ कमलकिशोर सांखला, से.अ.कचराराम सांखला, किशोरराम चौहान, बाबुलाल निम्बावत, बन्नाराम सांखला रामनगर,रामचन्द्र चौहान, मोहनराम सांखला नदीपुरा, निर्भयलाल पंवार, तेजाराम सांखला,दुर्गाराम सांखला नदीपुरा ने कम्प्यूटर कोचिंग सेन्टर लगाने में सहयोग की राशि प्रधान की गई ।

शुक्रवार प्रातः कंम्प्यूटर कोचिंग सेन्टर खोलने का समाचार से कस्बे के माली समाज के कार्यकर्ताओंएवं छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर छा गई। फूलमाली सैनी समाजके पोतेदार हीरालाल सांखला ने माली समाज के बंधुओं को कम्प्यूटर कोचिंग सेन्टर लगाने में सहयोग राशि प्रदान करने वाले भामाशाहओंका आभार एवं अभिनन्दन करता हूं। इस अवसर पर पूर्व उपसरपंच हाउलाल माली, चन्द्राराम दगदी, चन्द्राराम चौहान रामनगर, मोहनालल सोलंकी, बगदाराम चौहान, मोहनलाल दगदी, टीकुराम सांखला,गोकुलराम दगदी नदीपुरा, जोगीराम चौहान, मोतीलाल हरिराम बागड़ी, सुवालाल सांखला, सुरेश गहलोत, मोतीलाल भुम्बलिया, वार्ड पंच अशोक सांखला, भंवरलाल चौहान,रामसुख सोलंकी,दिनेश दगदी, मनोहरलाल पंवार सहित कई समाज बंधुओं ने हिस्सा।

समाज की अर्पिता माली ने अभिनय की दुनिया में रखा कदम

मुंबई। झरिया की इस बेटी ने अभिनय की दुनिया में अपनी प्रतिभा का डंका बजाया हे। उसकी मेहनत रंग लाई है। अर्पिता की पहली हिंदी फिल्म ये कैसा पेशा दिल्ली व उत्तर प्रदेश के थियेटरों व सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। समाज के कतिपय पंडे, पुजारियों व गुरू मां की ठगी का पर्दाफाश इस फिल्म में किया गया है। देश में इन दिनों एक चर्चित गुरू मां पर ही विशेषकर यह फिल्म आधारित है। मां सुदामा प्रोडक्शन व आमिर पिक्चर्स ने इस फिल्म को रिलीज किया है। फिल्म के निर्माता सुरेशा कुमार मालाकार, निर्देशक आलोक श्रीवास्तव व सहायक निर्देशक सुदीप सुमन टोनी है। गीत फर्नीद्र राव व संगीत अभिजी झा का है। अंधविश्वास के खिलाफ लोगों को जागरूक करनेवाली इस फिल्म में अर्पिता ने शानदार अभिनय किया है। इसकी शूटिंग राजपिपला गुजरात, विरार सहित मंबई के कई इलाकों में हुई। अर्पिता का कहना है कि बाबा व गुरू मां जैसे लोग जनता को बेवकूफ बना रहे हैं। लोग अपना समय व पैसो को बर्बाद न करें इसलिए यह फिल्म की।

फैशन डिजाइनिंग छोड, अभिनय की ओर मुड़ी : अर्पिता का जन्म कोयरी बांध झरिया में हुआ। 26 वर्षीय अर्पिता ने गुजराती हिंदी स्कूल से मैट्रिक पास करने के बाद एस.एस.एल.एन. टी कॉलेज में पढ़ाई की। फिर फैशन डिजाइनिंग का कोर्स करने दिल्ली गई। वर्ष 2012 में लोरियल ग्रुप के रैंप शो में ब्रेक मिला। उसमें प्रथम स्थान पाया। कई प्रसिद्ध सौंदर्य प्रसाधन सामग्री की कंपनी की एड फिल्म में काम किया। बाद में फिल्मों की ओर मुड़ गई। इससे पहले वह भोजपुरी फिल्म व एलबम में भी काम कर चुकी है।

माली सैनी समाज गौरव

सैनी समाज की एक ओर प्रतिभा भुसावर निवासी कु. भूमिका सैनी का आईएएस (IAS) में चयन होने पर माली सैनी संदेश परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं मंगल शुभकामनाएं।

समाज गौरव इंद्रजीत सैनी को एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं। इंद्रजीत सैनी ऐशिया के सबसे स्ट्रोंग मैन के एवार्ड से नवाजा गया है। सैनी शॉट पुट इंटरनेशनल खिलाड़ी है।

प्रकाश बी. माली एवं नारायण सोलंकी बने माली सैनी युवा महासभा के प्रदेश सचिव

जयपुर। राजस्थान प्रदेश माली सैनी युवा महासभा के प्रदेष अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिहं टाक ने माली सैनी महासभा में युवा शाखा मे प्रदेश सचिव के पद पर प्रकाश बी माली को मनोनित किया जाता है। इसके साथ ही जालोर के श्री समाज गौरव नारायण सोलंकी को भी प्रदेश माली सैनी महासभा के प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है।

ताराचंद गहलोत बने महिला ओलंपिक संघ के चैयरमैन

अजमेर। 23 दिसंबर राष्ट्रीय महिला एथेलिटिक प्रतियोगिता के स्वागत समारोह के अवसर पर भारतीय महिला ओलंपिक संघ के राष्ट्रीय तकनीकी निर्देशक प्रोफेसर संदीप भल्ला ने अजमेर जिले के समाज सेवी वह ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के राष्ट्रीय महासचिव ताराचन्द गहलोत को राजस्थान राज्य की इकाई का चेयरमैन नियुक्त किया । श्री भल्ला ने गहलोत को नियुक्ति पत्र सौंपा वह समस्त भारतीय ओलंपिक संघ की ओर से हार्दिक बधाई दी ।

इस अवसर पर समस्त भारत से आये खेल प्रशिक्षकों ने श्री गहलोत का माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया ।

गीता प्रसाद माली
फूल माली समाज, भोपाल
के निर्विरोध अध्यक्ष बनने पर

डॉ. रामजीत भाटी
को बीडीओ पद पर
सलेक्शन होने पर

विरेन्द्र गहलोत
इंडियन नेशनल कांग्रेस बिग्रेड
के प्रदेश सचिव नियुक्त होने पर

अर्जुनसिंह सांखला
महात्मा फूले बिग्रेड के
जोधपुर जिलाध्यक्ष बनने पर

माली सैनी संदेश परिवार की ओर से सभी युवाओं का हार्दिक अभिनंदन

माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापूराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकुमार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फूलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छावा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुराराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकाराराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेतारम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू (पं.समिति सदस्य) सुपुत्री श्री इलाराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल पुत्र(ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमामराम गहलोत, तिंवरी
श्री लिखराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोवराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पूनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, जोधपुर
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबूलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर

माली सैनी सन्देश

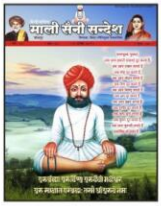

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक _____

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियां आपको विगत 8 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गों में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यों की जानकारी प्रदान कर कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जार रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब-साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई-पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है। हमारी वेब साईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गों की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है। एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई- पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के सभी अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। **आप हमें Paytm से मोबाइल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज सकते है।**

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए
डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु। 400/-	पांच वर्ष रु। 900/-	आजीवन रु। 3100/-

नाम/संस्था का नाम _____

पता _____

फोन।/मोबाईल _____ ई-मेल _____

ग्राम _____ पोस्ट _____ तहसील _____

जिला _____ पिनकोड _____

राशि (रूपये) _____ बैंक का नाम _____

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक _____ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक _____

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे : - प्रसार प्रभारी

माली सैनी संदेश पोस्ट बॉक्स नं। 9, जोधपुर

3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज।)

Mobile : 9414475464/9214075464 visit us www,malisainisandesh.com
www.malisaini.org EAmail : malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

ही क्यों ?

क्योकि

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पठकों का विशाल संसार

क्योकि

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464, **9828247868**
log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्पलेक्स के पीछे, सरपुरा, जोधपुर

पुणे स्थित समता भूमि महात्मा फूले वाड़ा की झलकियां

Your Personal Home Maker

Bed Sheets | Blankets | Towel | Napkins | Dohar | Quilt | Jaipuri Rajai | Pillow | Curtains | Roller Blinds | Shawls | Sofa Fabrics | Matress | Cushions | Wallpapers | Wooden Flooring | PVC Flooring

Vineet Gehlot

shrigehlothandloom@gmail.com

श्री GEHLOT HANDLOOM

EXCLUSIVE SHOWROOM OF FURNISHING

PARKING FACILITY AVAILABLE

130 NAI SARAK JODHPUR 342 001 | M.: +91 773 710 0198

लोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर -7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित।
फोन : 94144 75464, हेल्प लाईन : 9828247868
ई-मेल : malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR